नई दिल्ली ■ रविवार 05 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 07 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 लहरों पर लिखती भारत की नई... | 07 सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों को दिखाना ... | टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर... 08

महाराष्ट्र के नासिक में बड़ा हादसा: कुएं में गिरी कार

एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी में एक अनियंत्रित कार बीती रात कुंए में गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। नासिक पुलिस की टीम ने शनिवार सुबह तक सभी शव कुएं से निकाल लिए। पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि नासिक जिले के शिवाजी नगर इलाके में स्थित एक स्कूल में आयोजित प्रोग्राम में शामिल होने के लिए दरगोड़े परिवार गया था। वहां से लौटते समय शुक्रवार रात करीब 10 बजे दरगोड़े परिवार की कार अचानक अनियंत्रित होकर कुएं में गिर गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कुआं पानी से भरा होने और रात होने की वजह से शुरू में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आई। सुबह क्रेन की मदद से डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने कार और सभी शवों को

कुएं से बाहर निकाल लिया है। इस घटना में मृतकों की पहचान सुनील दत्तात्रेय दरगोड़े (32) , रेशमा सुनील दरगोड़े (27) , आशा अनिल दरगोड़े (32), गुणवती सुनील दरगोड़े (11), श्रेयश अनिल दरगोड़े (11), श्रवणी अनिल दरगोड़े (11), सृष्टि अनिल दरगोड़े (14) , समृद्धि राजेंद्र दरगोड़े (7) और श्रद्धा अनिल दरगोड़े (13) के रुप में की गई है।

मृतकों में 6 बच्चे भी शामिल

बताया जा रहा है कि दरगुडे परिवार एक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहा था। कार्यक्रम से लौटते समय अचानक कार चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया और कार सीधे कुएं में जा गिरी। एक ही परिवार के इतने सदस्यों की मौत से गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। इस भीषण हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों में छह बच्चे शामिल हैं, जिनमें एक सात साल की बच्ची भी बताई जा रही है। इसके अलावा सुनील दरगुडे, उनकी पत्नी और उनकी बेटी की भी इस हादसे में मौत हो गई।

कुएं के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज, जांच के आदेश

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की आर्थिक मदद का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी में एक कुएं में हुए हादसे के बाद पुलिस ने कुएं के मालिक राजेंद्र राजे के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस घटना में मृतकों के परिवार के लोगों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन और मंत्री नरहरि झिरवल ने घटनास्थल का दौरा किया।

इसके बाद मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। महाजन ने कहा कि इस घटना की जांच का भी आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है। साथ उन्होंने जिला प्रशासन को इस खतरनाक बन चुके कुएं को तत्काल बंद करने का भी आदेश दिया है। यही नही अब सरकार सडक किनारे स्थित सभी कुओं का सर्वे भी कराएगी। मंत्री नरहरी झिरवाल ने कहा, आज डिंडोरी के लिए 'काला दिन' है। एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत बहुत गंभीर घटना है। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। कुएं के मालिक ने घर को कंपाउंड किया था, तो उसने कुएं की सुरक्षा क्यों नहीं की? साथ ही, नगर पालिका ने कुएं तक जाने वाली सडक़ को वहीं खत्म कर दिया, वहां सुरक्षा दीवार बनवानी ज़रूरी थी। झिरवल ने बताया कि इस मामले में कुएं के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कुएं के मालिक के रिश्तेदार एडवोकेट विक्रम राजे ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने बताया, यह कुआं 1972 का है और इस कुएं ने सूखे के दौरान पूरे गांव को पानी दिया है। कुएं में जाल और एंगल थे, लेकिन किसी ने उन्हें हटा दिया। हमने नगर पंचायत से इस सडक़ पर जाल लगाने की भी मांग की है। लेकिन तब तक यह दुखद घटना हो गई।

राघव चड्ढा का पलटवार- संसद में जनता के मुद्दे उठाने गया, हंगामा करने नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) का अंदरूनी तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने पार्टी नेताओं द्वारा उनपर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह संसद में प्रभावी ढंग से जनता के मुद्दे उठाने गए हैं न कि हंगामा करने।

राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि `उनके खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। एक जैसी भाषा, एक जैसे आरोप। उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है, जो एक संगठित हमला है। आम आदमी पार्टी ने उन पर तीन आरोप लगाए हैं। पहला आरोप यह कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि यह सरासर झूठ है। मैं चुनौती देता हूं कि एक भी उदाहरण दिखा दीजिए जब विपक्ष ने

वॉकआउट किया हो और मैंने उनका साथ न दिया हो।' उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप यह था कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। `यह भी सफेद झूठ है। न तो किसी नेता ने उनसे इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने को कहा, न औपचारिक रूप से, न अनौपचारिक रूप से। पार्टी के 10 राज्यसभा सदस्यों में से 6-7 ने खुद इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए।

एलडीएफ सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है: प्रधानमंत्री मोदी

तिरुवल्ला (केरल)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और केरल में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आयेगा। मोदी ने पथनमथिट्टा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एलडीएफ सरकार की विदाई करने के लिए काफी उत्साह दिखाया है।

राज्य विधानसभा की 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होगा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा राज्य की सत्ता में आती है, तो वह केरल में विकास सुनिश्चित करेगी, जैसा कि उसने गोवा और पूर्वोत्तर के सात राज्यों में से छह में किया है, जहां वह सत्ता में है और वहां ईसाई आबादी काफी

अधिक है। उन्होंने कहा कि केरल में अपार संभावनाएं हैं, फिर भी विकास की दौड़ में यह अन्य राज्यों से पीछे है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की स्थिति खराब है, क्योंकि एलडीएफ और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस पर ध्यान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र में राजग सरकार ने केरल के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है, जबकि राज्य में अभी तक भाजपा की सरकार नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने केरल में विकास पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकारों की तुलना में पांच गुना अधिक खर्च किया है। मोदी ने राज्य में वामपंथी सरकार पर सबरी रेल परियोजना में देरी करने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि इससे तिरुवल्ला के लोगों को काफी नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि जब केरल में भाजपा की 'डबल इंजन' वाली सरकार सत्ता में आएगी, तो सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी और ''यह मोदी की गारंटी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे देश में, अगर किसी समूह को राजग की नीतियों से सबसे ज्यादा फायदा होता है, तो वे ''मेरी माताएं, बहनें, बेटियां और महिलाएं'' हैं।र मोदी ने केरल से रोजगार के लिए युवाओं के पलायन का भी जिक्र किया और कहा कि यह राज्य की सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता केरल के विकास में दो सबसे बड़ी बाधाएं हैं और इनसे निपटने के लिए एलडीएफ को हराना जरूरी है। मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर कहा, ''कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है, जाहिर तौर पर वह मुझ पर हमला करने और राजनीतिक लाभ पाने के लिए ऐसा कर रही है।

बुशहर परमाणु संयंत्र के निकट हमले में एक सुरक्षा गार्ड मारा गया: ईरान

काहिरा। ईरान की परमाणु एजेंसी ने कहा है कि उसके बुशहर परमाणु संयंत्र के निकट हवाई हमले में एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई और एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। युद्ध के दौरान इस संयंत्र को चौथी बार निशाना बनाया गया है। एजेंसी ने शनिवार को हुए हमले की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। वहीं इजराइल ने ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में महशहर पेट्रोकेमिकल स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर हमला किया है। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस इलाके में कई विस्फोट हुए, जिसके बाद घटनास्थल से धुआं उठता हुआ देखा गया। इजराइल के सुरक्षा सूत्रों ने भी पुष्टि की है कि ये हमले उसकी वायुसेना ने किए हैं। इस हमले में तीन कंपनियों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में पांच लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका ने लापता पायलट की तलाश तेज की

काहिरा। ईरान द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद लापता हुए पायलट की तलाश अमेरिका ने शनिवार को तेज कर दी। वहीं, ईरान ने लोगों से पायलट के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया और इनाम का वादा किया। ईरान ने अमेरिका के 'एफ-15ई स्ट्राइक ईगल' नामक लड़ाकू विमान सहित दो विमानों को शुक्रवार को मार गिराने का दावा किया था। इस दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया और कम से कम एक पायलट अब भी लापता है।

ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म से जानें उम्मीदवारों की शिक्षा और आपराधिक पृष्ठभूमि: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 2026 के आम और उप चुनावों के दौरान उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक मामले और संपत्ति संबंधी जानकारी जानने के लिए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। चुनाव आयोग के अनुसार 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की 8 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी। नौ अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण-1) के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 9 अप्रैल है, जबकि पश्चिम बंगाल (चरण-2) के लिए यह तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है। मतदाता ईसीआई नेट के ''अपने उम्मीदवारों को जानें (केवाईसी)'' मॉड्यूल के जरिए उम्मीदवारों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों, उनकी संपत्ति और देनदारियों, शैक्षणिक योग्यता और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उम्मीदवारों द्वारा जमा कराया गया पूरा हलफनामा (फॉर्म-26) भी डाउनलोड किया जा सकता है। ईसीआई ने बताया कि ईसीआई नेट दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी सेवा प्लेटफॉर्म है, जो 40 से अधिक ऐप और पोर्टल को एकीकृत कर एक ही मंच पर मतदाता सेवाएं उपलब्ध कराता है।

इस प्लेटफॉर्म के जरिए मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम खोज, आवेदन की स्थिति ट्रैक करना, चुनाव अधिकारियों से संपर्क, ई-ईपीआईसी डाउनलोड, शिकायत निवारण और अन्य सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने दी पश्चिम बंगाल में 4,660 अतिरिक्त मतदान केंद्रों को मंजूरी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 4,660 अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ये अतिरिक्त मतदान केंद्र उन बूथों के साथ स्थापित किए जाएंगे, जहां मतदाताओं की संख्या 1,200 से अधिक है। इसके साथ ही राज्य में मतदान केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 85,379 हो गई है। उन्होंने बताया कि आयोग ने 321 मतदान केंद्रों के स्थानांतरण को भी मंजूरी दे दी है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, ये निर्णय पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं की सुविधा में इजाफा करने के उद्देश्य से लिए गए हैं। आयोग ने तीन अप्रैल को लिखे एक पत्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को सूचित किया कि उसने इस संबंध में 28 मार्च को प्रस्तुत प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

भारत वैश्विक संकट के बीच मजबूती से उभरा और इसका डटकर मुकाबला किया: जयशंकर

रायपुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष की ओर इशारा करते हुए शनिवार को कहा कि वैश्विक सकंट के बीच भारत मजबूती से उभरा है और हालात का डटकर मुकाबला किया है। जयशंकर ने यहां स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर फरवरी में हमले शुरू किए जाने से उत्पन्न पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति को प्रभावित किया है तथा हाइड्रोकार्बन की कमी पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण की व्यापकता के चलते संघर्ष का असर दूर-दराज के समाजों पर भी गहराई से पड़ा है। जयशंकर ने कहा, ''अब हम दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल ही में आए कई वैश्विक झटकों ने हमारी सहनशक्ति की परीक्षा ली है, और भारत उनसे मजबूती से उबरकर बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी, दोनों तरह की चुनौतियों का काफी हद तक सफलतापूर्वक सामना किया है।'' उन्होंने

कहा कि ज्यादा समावेशी विकास, प्रतिनिधि राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नयी नींव रखी है। विदेश मंत्री ने कहा, ''अधिक समावेशी विकास, प्रतिनिधि राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नयी नींव रखी है, जिससे हम सभी अब ऊंची उम्मीदें रख सकते हैं।

हमने न सिर्फ डिजिटल क्रांति को पूरे उत्साह के साथ अपनाया है, बल्कि असल में इसे अपने जीवन में एक मकसद के साथ लागू भी किया है। यहां तक कि कई विकसित समाजों ने भी ऐसा नहीं किया है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने जिन वैश्विक रुझानों का जिक्र किया है, उनकी रोशनी में राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण करना अब और भी ज्यादा जरूरी हो गया है। बड़े देशों के लिए तो यह बात खास तौर पर सच है। आप देखेंगे कि विकसित दुनिया में भी, वैश्वीकरण के पुराने मंत्रों की जगह अब आत्मनिर्भरता के प्रति एक नयी जागरूकता ने ले ली है।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत में हमारे लिए, यह भावना 'आत्मनिर्भर भारत' के रूप में व्यक्त होती है। इसका महत्व तब साफ नजर आता है जब बात भोजन, स्वास्थ्य या ऊर्जा सुरक्षा की हो, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा की। हमें यह कोशिश करनी चाहिए कि हम ज्यादा से ज्यादा क्षमताएं अपने नियंत्रण में सुरक्षित कर सकें।

जयशंकर ने कहा, ''जाहिर है, कुछ क्षेत्र दूसरों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल होंगे। ऐसे मामलों में, इसका हल भरोसेमंद या विश्वसनीय साझेदारियों तथा विविध स्त्रोतों से आपूर्ति में निहित है। लेकिन आखिरकार मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण करने की कोई अनदेखी नहीं कर सकता। जोखिम कम करने और असल में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने का यह सबसे असरदार तरीका है।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था बदल रही है, जिसमें देशों की सापेक्ष शक्ति और प्रभाव में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में मौजूदा उथल-पुथल कई मायनों में संरचनात्मक है। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया आज एक ऐसे माहौल में खुद को सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना कर रही है, जो लगातार अस्थिर और अप्रत्याशित होती जा रही है। उन्होंने कहा, ''दुनिया में इस समय जो उथल-पुथल मची है, वह कई मायनों में ढांचागत भी है। वैश्विक व्यवस्था हमारी आंखों के सामने ही बदल रही है, जिसमें देशों की सापेक्ष शक्ति और प्रभाव में स्पष्ट बदलाव देखे जा सकते हैं। कुछ समाजों की राजनीति के लिए इन बदलावों को स्वीकार कर पाना मुश्किल हो रहा है।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमताओं, कनेक्टिविटी और संसाधनों के क्षेत्र में हो रहे नए विकासों ने, लगातार बढ़ते प्रतिस्पर्धी माहौल में, जोखिम उठाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। आज हर चीज का लाभ उठाया जा रहा है और अगर उसे सीधे तौर पर हथियार नहीं बनाया जा रहा है, तो भी उसका इस्तेमाल एक हथियार की तरह ही किया जा रहा है।'' जयशंकर ने कहा कि ऐसे में, दुनिया के सामने एक ऐसे माहौल में खुद को सुरक्षित रखने की चुनौती खड़ी हो गई है जो लगातार अस्थिर और अप्रत्याशित होता जा रहा है।

‘स्कूल चलो अभियान’ का शुभारंभ छात्रों को वितरित की गई पाठ्य-पुस्तकें

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर, वरुणा पार जोन से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत प्रदेशव्यापी ‘स्कूल चलो अभियान’ के शुभारंभ करने का सजीव प्रसारण गौतमबुद्ध नगर के विकास भवन सभागार में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से देखा एवं सुना गया। इस मौके पर विधायक दादरी तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी तथा विभिन्न स्कूलों क शिक्षक व बच्चें मौजूद रहें।

उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत प्रदेशव्यापी ‘स्कूल चलो अभियान’ का शुभारंभ आज योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने एवं शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में जिला मुख्यालय स्थित विकास भवन

सभागार में भी ‘स्कूल चलो अभियान’ का शुभारंभ विधायक दादरी तेजपाल नागर एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है और ‘स्कूल चलो अभियान’ का उद्देश्य जन-जन तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है। सभी अभिभावकों को अपने बच्चों का नामांकन विद्यालयों में कराना चाहिए, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर एवं सशक्त बन सकें। उन्होंने छात्रों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने कहा कि जिला प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता एवं पहुंच को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए इस अभियान को सफल बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामांकन वृद्धि के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए।

कार्यक्रम के दौरान विधायक तेजपाल नागर एवं विधान परिषद सदस्य द्वारा छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल ड्रेस, जूते एवं मोजे वितरित किए गए, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण का बड़ा कदम

8 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लान से नालों और नदियों को मिलेगी नई जिंदगी

नोएडा। शहर के नालों और नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाते हुए आठ नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाने का निर्णय लिया है। इसमें से पांच नालों पर एसटीपी प्लांट लगाने के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। कंपनी का चयन होने के साथ एसटीपी प्लांट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। यह फैसला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के फरवरी 2020 के उस आदेश के बाद लिया गया है, इसमें नालों में गिरने वाले सीवेज के उपचार को अनिवार्य बताया गया था।

नोएडा प्राधिकरण महाप्रबंधक आरपी सिंह इन एसटीपी के जरिये नालों में जाने वाले गंदे पानी को ट्रीट कर पुनः उपयोग में लाया जाएगा, इससे यमुना और हरनंदी में प्रदूषण कम होगा और भूजल संरक्षण में भी मदद मिलेगी। यह एसटीपी नालों में जहां से गंदगी गिरती है वहां लगाए जाएंगे।

पहले फेज में इन नालों को चुना गया

पहले चरण में मोरना, सेक्टर-34, 25, 91, 105, 108, एमिटी यूनिवर्सिटी के पास, हरौला और

सेक्टर-62 के नालों पर एसटीपी स्थापित किए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर आगे अन्य नालों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। इन प्लांट्स की क्षमता करीब आठ एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) होगी और प्रति प्लांट लगभग दो करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए नेशनल एनवायरनमेंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट (नेरी) को नियुक्त किया गया था। इसकी रिपोर्ट के अनुसार की आगे की काम किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।इसके साथ ही पांच नालों पर एसटीपी प्लांट लगाने के लिए प्राधिकरण ने एक्सप्रेशन आफ इंटरेस्ट भी जारी कर दी है। कंपनी का चयन होते ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू कर दिया जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के 18 महीने के भीतर इन्हें पूरा कर लिया जाएगा।

फिलहाल नोएडा में सेक्टर-51, 54, 123 और 168 में आठ बड़े एसटीपी संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 411 एमएलडी है। नए छोटे एसटीपी लगने के बाद नालों में सीधे गिरने वाले सीवेज को स्रोत पर ही ट्रीट किया जाएगा, जिससे शहर को ‘जीरो डिस्चार्ज’ बनाने का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी।

ग्रेनो में 350 एकड़ का मेडिकल डिवाइस पार्क दो साल देरी से बनेगा, दिसंबर 2026 नई डेडलाइन

ग्रेटर नोएडा। मेडिकल डिवाइस पार्क परियोजना दो साल के विलंब से दिसंबर 2026 तक पूरी होगी। इस परियोजना को 2024 अंत तक पूरा होना था, लेकिन जमीन अधिग्रहण आदि में अतिरिक्त समय लगने के कारण अब यह परियोजना इस साल दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। मेडिकल डिवाइस पार्क में बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स आधारित चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन होना शुरू हो जाएगा। निर्धारित समय अवधि में मेडिकल डिवाइस पार्क में औद्योगिक इकाई का निर्माण न करने वाले आवंटियों पर भी जुर्माने की कार्रवाई होगी।

मरीजों के उपचार के लिए चिकित्सा उपकरणों के आयात पर निर्भरता को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार ने देश के विभिन्न प्रांतों में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित करने का फैसला किया था। उत्तर

प्रदेश के पहला मेडिकल डिवाइस पार्क यीडा के सेक्टर 28 में साढ़े तीन सौ एकड़ में विकसित किया जा रहा है। मेडिकल डिवाइस पार्क में सुविधाएं विकसित करने के लिए केंद्र सरकार ने सौ करोड़ रुपए दिया है। अभी तक इस पार्क में 101 भूखंडों का आवंटन हो चुका है। सीमेंस, जीई जैसी कंपनियों को औद्योगिक इकाई लगाने के लिए यीडा आमंत्रित कर चुका है।

मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए भूखंड दरें यीडा की औद्योगिक दरों के सापेक्ष काफी कम हैं। आवंटियों को भूखंड पर कब्जा मिलने के दो साल में इकाई का निर्माण कर उत्पादन शुरू करने की शर्त है, लेकिन अभी एक दो इकाई ही क्रियाशील हो पाई हैं। निर्धारित समय सीमा में निर्माण पूरा कर उत्पादन शुरू न करने वाले आवंटियों से प्राधिकरण विलंब शुल्क वसूल करेगा। प्राधिकरण ने दिसंबर 2026 तक मेडिकल डिवाइस पार्क परियोजना को पूरा करने के लिए केंद्रीय फार्मास्युटिकल विभाग ने समय विस्तार मांगा है। प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि मेडिकल डिवाइस पार्क परियोजना में जमीन अधिग्रहण, आवंटन एवं ढांचागत सुविधाएं विकसित करने में अतिरिक्त समय लगा है।

एमडीपी में 13 प्रकार की लैब विकसित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त आसका लैब विकसित करने का प्रयास हो रहे हैं। इसके स्थापित होने से यीडा क्षेत्र में बनने वाले उपकरणों को विदेश में निर्यात करने के लिए प्रमाणीकरण की सुविधा मिल जाएगी।

अब नोएडा-ग्रेटर नोएडा के गांवों तक पहुंचाई जाएगी पीएनजी, 300 से ज्यादा सोसायटी होंगी एलपीजी फ्री

ग्रेटर नोएडा। एलपीजी गैस की दिक्कत के बीच केंद्र सरकार पीएनजी कनेक्शन के लिए आमजन को प्रोत्साहित कर रही है।

इसी कड़ी में गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने आइजीएल के साथ मिलकर नोएडा और ग्रेटर नोएडा की सोसायटियों के साथ पी सेक्टर व प्राधिकरण अधिकार क्षेत्र के गांवों को एलपीजी फ्री करने की योजना बनाई है। 300 से अधिक सोसायटियों को एलपीजी फ्री किया जा चुका है। कई सोसायटियों में पीएनजी लाइन बिछी होने के बावजूद लोगों ने कनेक्शन नहीं लिया हुआ है। ऐसे घरों में एलपीजी सिलिंडर को सरेंडर करा पीएनजी कनेक्शन दिया जा रहा है।

40-50 सोसायटियों में पीएनजी लाइन बिछाना बाकी

जिला खाद्य आपूर्ति विभाग की मानें तो 40 से 50 सोसायटी शेष रह गई हैं जिनमें पीएनजी लाइन बिछाना शेष है। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सख्त निर्देश दिए हैं कि पीएनजी कनेक्शन में किसी भी तरह की बाधा न आए, जो भी अड़चन है उन्हें दूर किया जाए।

पीएनजी लाइन के लिए एनओसी मांगी

इसको लेकर बृहस्पतिवार को आइजीएल के साथ जिला प्रशासन के अधिकारियों की एक बैठक भी हुई, जिसमें आइजीएल ने सोसायटी से लेकर सेक्टर व प्राधिकरण अधिकार क्षेत्र के गांवों में पीएनजी की लाइन बिछाने के लिए एनओसी मांगी है। खाद्य पूर्ति विभाग के अधिकारियों का दावा है कि उसके बाद जिले के देहात यानी पंचायती राज व्यवस्था वाले गांवों को भी पीएनजी की आपूर्ति करने के लिए लाइन बिछाने की योजना है।

गैस की किल्लत के बीच बनाई रणनीति

दरअसल ईरान व इजरायल अमेरिका युद्ध के चलते देश में लोगों को गैस की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू गैस सिलिंडर लेने के लिए लोगों को कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। समस्या के समाधान को लेकर तेल कंपनियों व आइजीएल के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी ने बैठक कर रणनीति तैयार की है।

जिले के हर कोने में पीएनजी पहुंचाने की तैयारी

जिला प्रभारी पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने बताया कि जिले के हर कोने में पीएनजी उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन काम कर रहा है। 300 से अधिक सोसायटियों में पीएनजी की लाइन बिछाई जा चुकी है। 40 से 50 सोसायटी शेष रह गई हैं, जहां पीएनजी लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण अधिकार क्षेत्र के गांवों में भी जल्द पीएनजी की लाइन बिछाने की योजना है।

डबल मर्डर का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। दीपावली के दिन नाली के पानी के बहाव को लेकर हुए विवाद में थाना जारचा क्षेत्र के गांव सैंथली में दबंगों ने दो लोगों लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। वहीं वांछित चल रहें मुख्य साजिशकर्ता व गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक अभियुक्त को आज गिरफ्तार किया है।

ग्रेटर नोएडा के थाना जारचा क्षेत्र के गांव सैंथली दीपावली के दिन नाली के पानी को लेकर विवाद हो गया था। इस मामले में दो कारों में सवार होकर आए हथियार बंद बदमाशों ने तीन लोगों के ऊपर ताबड़तोड़ गोली चला दी। इस घटना में सीआईएसएफ से रिटायर्ड दरोगा अजय पाल भाटी (55 वर्ष) और छात्र दीपांशु उम्र 21 वर्ष की मौत हो गई थी। थाना जारचा प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सैंथली में हुए डबल मर्डर के मुख्य साजिशकर्ता अभियुक्त सेंसर पाल एवं घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई थी। जिसमें अभियुक्त सैन्सरपाल वांछित था। उन्होंने बताया कि आज थाना जारचा पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ग्राम सैंथली में हुए डबल मर्डर के मुख्य साजिशकर्ता व गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त सेंसर पाल पुत्र माखन को ग्राम सैंथली से गिरफ्तार किया गया है।

मकान से नगदी और जेवर चोरी

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र की आरआर कॉलोनी में एक मकान का ताला तोड़कर चोर नगदी और जेवरात चोरी कर ले गए। घटना के वक्त पीड़ित परिवार किसी काम से नोएडा गया हुआ था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक आरआर कॉलोनी में संजीव कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 28 मार्च को वह परिवार के साथ किसी काम से नोएडा गए हुए थे। इसी बीच चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर की अलमारी में रखे 92 हजार रुपये नगद, सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज चोरों की तलाश की जा रही है। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

गैस बिल बकाया होने का झांसा देकर ठगी

नोएडा। गढ़ी चौखंडी गांव में रहने वाले व्यक्ति को ठगों ने गैस का बिल बकाया होने का झांसा देकर एक लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। जालसाजों ने मोबाइल पर एपीके फाइल भेजकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सेक्टर-121 स्थित गढ़ी चौखंडी गांव निवासी प्रताप सिंह ने पुलिस को बताया कि 16 दिसंबर की शाम 6.30 बजे कथित राहुल अग्रवाल नामक व्यक्ति की कॉल आई। उसने आईजीएल कर्मी होने का दावा किया। साथ ही बिल बकाया होने की बात कहते हुए रात नौ बजे तक गैस कनेक्शन काटने की चेतावनी दी। प्रताप सिंह ने बिल जमा होने की बात कही तो उसने आईजीएल की कॉपी और पुलिस सत्यापन रिपोर्ट भेज दी। इसके बाद दूसरे मोबाइल नंबर से फोन किया और बिल अपडेट कराने को कहा। आरोपी ने उनके मोबाइल फोन पर एपीके फाइल भेजी। प्रताप सिंह ने जल्दबाजी में एपीके फाइल डाउनलोड कर ली। उसके बाद ठग ने इंडियन बैंक के खाते से तीन बार में 99 हजार 221 रुपये ट्रांसफर कर लिए। मोबाइल पर मैसेज आने पर प्रताप सिंह को ठगी का पता चला। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में यूपी के प्रतिभागियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, चार को मिला स्वर्ण पदक

नोएडा। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पटीशन 2025-26 का समापन समारोह ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये युवा प्रतिभागियों के कौशल, नवाचार और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। समापन कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल विकास और उद्यमशीलता जयंत चैधरी ने कहा कि स्किल इंडिया मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन है, जिसमें सरकार, उद्योग और समाज की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को निरंतर राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हुनर ही व्यक्ति की असली पहचान है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भाग लेने वाले प्रतिभागी देश का गौरव बढ़ाएंगे और भारत की प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि कौशल आज के समय की सबसे बड़ी शक्ति है, जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनाती है और उन्हें वैश्विक अवसरों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे कस्बों और गांवों से निकलकर युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बना रहे हैं, जो विकसित भारत 2047 की दिशा

में महत्वपूर्ण कदम है। हरियाणा सरकार के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल एवं न्याय विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौरव गौतम ने युवाओं को देश के भविष्य की आधारशिला बताते हुए उनके कौशल और क्षमता पर विश्वास बनाए रखने का आह्वान किया।

वहीं कार्यक्रम के स्वागत भाषण में नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार पिल्लई ने कहा कि इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि कौशल, समर्पण और उत्कृष्टता का उत्सव है, जो युवाओं को रोजगार के साथ सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो प्रदेश की कौशल विकास नीतियों की सफलता को दर्शाता है। कार्यक्रम में बिहार, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, स्किल एक्सपर्ट्स, ट्रेनर्स एवं देशभर से आए हजारों प्रतिभागी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के पदक विजेता

1- नितिन कुमार (प्रयागराज) द्वारा ट्रेड-वॉल एंड फ्लोर टाइलिंग में स्वर्ण पदक।
2- सूर्यांश गुप्ता (आगरा) द्वारा ट्रेड-रिन्यूएबल एनर्जी में स्वर्ण पदक।
3- कैफ खान (गाजीपुर) द्वारा ट्रेड-कार पेंटिंग (ऑफसाइट) में स्वर्ण पदक।
4- रुद्र प्रताप और प्रीतम प्रजापति (फतेहपुर) द्वारा ट्रेड-कंक्रीट कंस्ट्रक्शन वर्क में स्वर्ण पदक।
5- सात्विक गोयल (मुरादाबाद) द्वारा ट्रेड-इंडस्ट्रियल डिजाइन टेक्नोलॉजी में रजत पदक।
6- जुनैद (गाजियाबाद) द्वारा गाजियाबाद में रजत पदक।
7- गंभीर सिंह (फर्रुखाबाद) द्वारा ट्रेड-ब्यूटी थेरेपी ट्रेड-ग्राफिक डिजाइनर में कांस्य पदक।
8- लावण्या शुक्ला (लखनऊ) द्वारा ट्रेड-ग्राफिक डिजाइनर में कांस्य पदक।
9- शीतल वर्मा (कानपुर) द्वारा ट्रेड-पेंटिंग एंड डेकोरेटिंग में कांस्य पदक।

घायल हूं इसलिए घातक हूं, समय आने पर जवाब दिया जाएगा: राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने पार्टी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे आरोपों को "स्क्रिप्टेड अभियान" करार देते हुए कहा कि समय आने पर हर आरोप का जवाब दिया जाएगा।

शनिवार को जारी वीडियो में राघव चड्ढा ने कहा कि उनके खिलाफ सुनियोजित तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्होंने आरोपों पर प्रतिक्रिया न देने का निर्णय लिया था, लेकिन बार-बार झूठ दोहराए जाने से भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है, इसलिए जवाब देना जरूरी हो गया।

राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा लगाए गए तीन प्रमुख आरोपों पर विस्तार से अपनी बात रखी। पहले आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह दावा पूरी तरह गलत है कि वह संसद में विपक्ष का साथ नहीं देते। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही के रिकॉर्ड और दृश्य प्रमाण इस आरोप को गलत साबित कर सकते हैं।

दूसरे आरोप में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर न करने के मुद्दे को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए किसी भी स्तर पर सूचित नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, फिर केवल उन्हें ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है।

तीसरे आरोप, जिसमें उन्हें डर जाने का आरोप लगाया गया, पर उन्होंने कहा कि वह संसद में शोर मचाने के लिए नहीं बल्कि जनता के मुद्दे उठाने के लिए हैं। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और करदाताओं से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाने की बात दोहराई।

वीडियो के अंत में राघव चड्ढा ने कहा, "समय आने पर हर आरोप का जवाब दिया जाएगा। घायल हूं इसलिए घातक हूं।" उनका यह बयान राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने हाल ही में राघव चड्ढा पर सवाल उठाए थे। संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और आतिशी मारलेना सहित अन्य नेताओं ने उनकी भूमिका और निष्ठा को लेकर सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। वहीं पार्टी के मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भी उनके रुख पर सवाल उठाए हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद पार्टी के भीतर बढ़ते मतभेदों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं और आने वाले समय में इस विवाद के और गहराने की संभावना जताई जा रही है।

राघव चड्ढा विवाद के बीच कुमार विश्वास का पुराना बयान चर्चा में

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी में चल रहे अंदरूनी विवाद के बीच राज्यसभा से उपनेता पद से हटाए गए राघव चड्ढा को लेकर एक नया राजनीतिक विमर्श सामने आया है। मशहूर कवि और पूर्व आप नेता कुमार विश्वास का डेढ़ वर्ष पुराना बयान इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने राघव चड्ढा को लेकर संभावित कार्रवाई की बात कही थी। वायरल वीडियो में कुमार विश्वास यह कहते सुनाई देते हैं कि पार्टी में अगला निशाना एक ऐसा युवा नेता हो सकता है, जिसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने संकेतों में कहा था कि उस नेता की एक अभिनेत्री से शादी और उसकी बढ़ती सार्वजनिक छवि पार्टी के भीतर असहजता का कारण बन सकती है। यह बयान अब राघव चड्ढा की स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, राघव चड्ढा ने फिल्म अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा से विवाह किया था, जिसके बाद उनकी सार्वजनिक छवि और लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कुमार विश्वास ने अपने पुराने बयान में इसी पहलू को प्रमुख कारण बताते हुए कहा था कि पार्टी नेतृत्व किसी भी अन्य समानांतर प्रभाव को सहज रूप से स्वीकार नहीं करता। हाल ही में आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया है, जिसके बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस फैसले के बाद राघव चड्ढा ने भी एक वीडियो जारी कर कहा कि उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है और उनकी खामोशी को कमजोरी न समझा जाए। वहीं पार्टी के अन्य नेताओं ने उन पर कई आरोप लगाए हैं। संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और आतिशी मारलेना सहित अन्य नेताओं ने उनकी भूमिका और निष्ठा पर सवाल उठाए हैं। पार्टी के मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भी उनके रुख को लेकर आलोचना की है। वर्तमान घटनाक्रम के बीच कुमार विश्वास का पुराना बयान फिर से चर्चा में आ गया है और इसे राघव चड्ढा के खिलाफ हालिया कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, इस पर आधिकारिक रूप से पार्टी या संबंधित नेताओं की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम आम आदमी पार्टी के भीतर बढ़ते मतभेदों और नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवालों को उजागर करता है, जिसका असर आने वाले समय में पार्टी की राजनीति पर पड़ सकता है।

रॉबर्ट वाड्रा मनी लॉन्ड्रिंग केस: अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा, 15 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल आरोपपत्र पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब इस मामले में 15 अप्रैल को अगली सुनवाई होगी, जिसमें अदालत संज्ञान लेने पर निर्णय सुनाएगी।

विशेष न्यायाधीश सुशांत चांगोत्रा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि आरोपपत्र पर विचार करने के बाद ही आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जाएगी। इस दौरान आरोपियों की ओर से पेश वकीलों ने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर सवाल उठाए, जबकि जांच एजेंसी ने अपने आरोपों को सही ठहराया।

यह मामला हरियाणा के गुरुग्राम स्थित शिकोहपुर गांव में भूमि सौदे से जुड़ा है। जांच एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2008 में एक कंपनी के माध्यम से करीब 3.53 एकड़ जमीन खरीदी गई और कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों व गलत घोषणाओं के जरिए वाणिज्यिक लाइसेंस हासिल किया गया। बाद में इस जमीन के मूल्य में भारी वृद्धि हुई, जिससे आर्थिक अनियमितताओं के आरोप सामने आए। प्रवर्तन निदेशालय ने जुलाई 2025 में इस मामले में 11 व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर की थी। इनमें रॉबर्ट वाड्रा, उनकी कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी सहित अन्य नाम शामिल हैं। जांच एजेंसी ने इससे पहले लगभग 37.64 करोड़ रुपये मूल्य की 43 संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त भी किया था। यह पूरा प्रकरण गुरुग्राम पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुआ था। अब अदालत के 15 अप्रैल के फैसले पर सभी पक्षों की नजरें टिकी हुई हैं, जो इस मामले की आगे की दिशा तय करेगा।

महर्षि वशिष्ठ गौशाला केंद्र के अध्यक्ष बने संजय वशिष्ठ

नई दिल्ली। महर्षि वशिष्ठ गौशाला प्रबंधन एवं अनुसंधान केंद्र की कार्यकारिणी समिति की बैठक में संजय वशिष्ठ को सर्वसम्मति से संस्था का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मयूर विहार स्थित मुख्यालय में आयोजित बैठक में इस निर्णय के साथ संस्था के भविष्य को लेकर नई उम्मीदें जताई गईं।

बैठक की अध्यक्षता गायत्री वशिष्ठ ने की, जिसमें कोर समिति के सदस्यों ने विस्तृत विचार-विमर्श के बाद संजय वशिष्ठ के नाम पर सहमति व्यक्त की। सदस्यों ने उनके अनुभव और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण को संस्था के लिए लाभकारी बताया।

इस अवसर पर केपी सिंह, पवन कुमार, संदीप अग्रवाल, संध्या सिंह, एस एस डोगरा, इम्तियाज हुसैन, राजेश डंडरियाल, दिनेश कुमार शर्मा, अनिमेष, अनुराधा और राजीव चौहान सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्था लंबे समय से गौसंवर्धन, नस्ल सुधार और वैज्ञानिक गौशाला प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत पशु स्वास्थ्य, पोषण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एक जून को आयोजित होने वाले विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुग्ध क्षेत्र और गौसंवर्धन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित होगा सराय काले खां बस अड्डा

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली स्थित सराय काले खां बस अड्डे को जल्द ही मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। डीटीआईडीसी द्वारा यहां लगभग 31.86 एकड़ जगह में पुनर्विकास कार्य होगा जिसमें बस और कार की पार्किंग के अलावा वाणिज्यिक एवं रिहायशी क्षेत्र भी विकसित किया जाएगा। इस पुनर्विकास कार्य के लिए आगामी जुलाई माह तक टेंडर जारी करने और दिसंबर 2030 तक परियोजना पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

जानकारी के अनुसार सराय काले खां बस अड्डा बेहद ही घनी आबादी के पास बना हुआ है। यहां पर रेल, मेट्रो, बस, नमो मेट्रो, ऑटो, टैक्सी आदि सेवाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं। लेकिन इस जगह पर व्यवस्था ठीक नहीं होने के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए सराय काले खां बस अड्डे का पुनर्विकास कार्य बेहद आवश्यक है। डीटीआईडीसी द्वारा इस पुनर्विकास कार्य का खाका तैयार कर लिया गया है। यहां दो मंजिला बस अड्डा बनेगा जिसमें भूतल पर 78 जबकि अपर ग्राउंड पर 77 बसों के खड़े होने की जगह तैयार होगी। वहीं कॉनकोर्स पर लगभग 1500 कार की पार्किंग बनाई जाएगी। यहां यात्री अपनी गाड़ी खड़ी कर अन्य परिवहन साधनों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस परियोजना की कुल लागत 7613 करोड़ रुपये आने का अनुमान है।

सूत्रों ने बताया कि इस पुनर्विकास कार्य के लिए सराय काले खां से बस अड्डे को कुछ समय के लिए दूसरी जगह स्थानतांतरित किया जाएगा। यहां कुल 34.44 एकड़ में पुनर्विकास कार्य होगा। इसमें न केवल बस अड्डा बल्कि ईडब्ल्यूएस फ्लैट, सरकारी आवास, वाणिज्यिक क्षेत्र आदि भी बनाए जाएंगे।

इस पुनर्विकास से न केवल बस अड्डे से बल्कि अन्य माध्यमों से भी उनकी आमदनी बढ़ेगी। बस अड्डे की इमारत को दिसंबर 2028 तक तैयार कर लिया जाएगा जबकि पूरी परियोजना में दो वर्ष का अतिरिक्त समय लगेगा।

सूत्रों ने बताया कि यहां पर बस अड्डे को इस तरह से विकसित किया जाएगा कि यात्रियों को अन्य परिवहन साधनों तक जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बस अड्डे से रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, नमो भारत स्टेशन आदि को जोड़ा जाएगा। यहां यात्रियों के लिए खाने-पीने एवं खरीदारी करने की जगह भी होगी।

यूजीसी परिपत्र पर एटक का विरोध, वापसी की उठी मांग

नई दिल्ली। आंगनवाड़ी केंद्रों को लेकर जारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के हालिया परिपत्र का ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है। संगठन ने इसे जनकल्याणकारी जिम्मेदारियों से पीछे हटने वाला कदम बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की है।

एटक ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र कोई परोपकारी संस्थान नहीं, बल्कि एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के तहत स्थापित वैधानिक व्यवस्था हैं, जो बाल पोषण, स्वास्थ्य और महिलाओं के कल्याण की आधारशिला हैं। इन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के नाम पर अन्य संस्थानों के भरोसे छोड़ना उचित नहीं है। संगठन का कहना है कि यह कदम केंद्र सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारियों से विमुख होने का संकेत देता है। बच्चों और माताओं के कल्याण को स्वैच्छिक या संस्थागत दान पर नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए स्थायी सरकारी वित्तपोषण, प्रशिक्षित कार्यबल और प्रभावी निगरानी जरूरी है। एटक ने यह भी चिंता जताई कि देश में कुपोषण, विशेषकर बच्चों में गंभीर अल्पपोषण की स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। ऐसे समय में आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, खासकर ग्रामीण और शहरी गरीब क्षेत्रों में।

इसके साथ ही संगठन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि पहले से ही अस्थिर रोजगार स्थिति में काम कर रही इन कर्मियों की मांगों को पूरा करने के बजाय सरकार व्यवस्था को कमजोर कर रही है।

45 करोड़ की जमीन घोटाले में अल फलाह चेयरमैन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली स्थित साकेत अदालत ने अल फलाह समूह के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को 45 करोड़ रुपये की जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत समाप्त होने के बाद उन्हें 17 अप्रैल तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान के समक्ष पेश किए गए जवाद अहमद सिद्दीकी को पहले 10 दिन की प्रवर्तन निदेशालय हिरासत में रखा गया था, जिसकी अवधि शनिवार को समाप्त हो गई। इसके बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

जांच एजेंसी के अनुसार यह मामला दक्षिणी दिल्ली के मदनपुर खादर क्षेत्र में स्थित करीब 1.14 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसकी कीमत लगभग 45 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोप है कि इस जमीन पर कब्जा करने के लिए जाली दस्तावेज तैयार किए गए और उनका इस्तेमाल किया गया, जबकि कागजों में जमीन की कीमत मात्र 75 लाख रुपये दर्शाई गई थी। प्रवर्तन निदेशालय ने 24 मार्च को जवाद अहमद सिद्दीकी को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि उन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची और फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से जमीन का अवैध अधिग्रहण किया।

इससे पहले भी नवंबर 2025 में उन्हें एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह मामला अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा था। जांच एजेंसी का दावा है कि वर्ष 2018 से 2025 के बीच संस्थान ने 415 करोड़ रुपये से अधिक की आय अर्जित की, जिसमें छात्रों से प्राप्त धन का दुरुपयोग निजी कार्यों में किया गया।

इसके अतिरिक्त, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने भी फरवरी में उन्हें निजी विश्वविद्यालय में कथित जालसाजी और अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि विश्वविद्यालय ने मान्यता को लेकर भ्रामक दावे कर छात्रों को गुमराह किया।

यह मामला उस बड़े जांच दायरे से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें राजधानी में हुए धमाके के बाद संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय और अन्य एजेंसियां पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही हैं।

पालतू कुत्तों पर पट्टा अनिवार्य करने की मांग तेज

नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते कुत्ता काटने के मामलों के बीच पालतू कुत्तों को बिना पट्टे के घुमाने पर सख्ती की मांग तेज हो गई है। समाजसेवी देवेन्द्र शर्मा ने इसे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है।

देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि कुत्तों का व्यवहार समय के साथ बदल रहा है, जिसके चलते डॉग बाइट के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने चिंता जताई कि कई सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन तक उपलब्ध नहीं होता, जिससे पीड़ितों को महंगे उपचार का सहारा लेना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि कुत्तों के हमलों का सबसे अधिक शिकार बच्चे और बुजुर्ग होते हैं, क्योंकि वे खुद की रक्षा करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में पालतू कुत्तों को नियंत्रण में रखना बेहद जरूरी है।

देवेन्द्र शर्मा ने दिल्ली नगर निगम अधिनियम के तहत जुर्माने की राशि बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि पहले कम जुर्माने के कारण लोग नियमों को गंभीरता से नहीं लेते थे। जुर्माना बढ़ने से लोग अपने पालतू कुत्तों को बिना पट्टे के घुमाने से बचेंगे, जिससे हादसों में कमी आएगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि नियमों का कड़ाई से पालन ही इस समस्या का समाधान है। पालतू कुत्तों को पट्टा पहनाकर घुमाने से वे मालिक के नियंत्रण में रहेंगे और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

देवी भागवत कथा में उमड़ा जनसैलाब

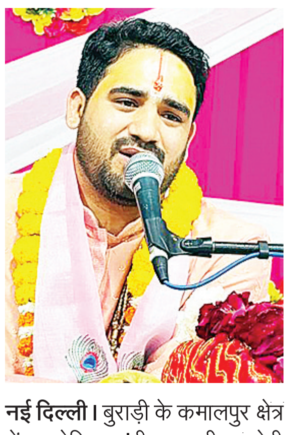

नई दिल्ली। बुराड़ी के कमालपुर क्षेत्र में आयोजित संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा में छठे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। धार्मिक वातावरण के बीच कथा वाचन ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

कथा व्यास आचार्य बिपिन कृष्ण पाण्डेय ने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने श्रीराम जन्म से लेकर सीता हरण तक की कथा सुनाते हुए धर्म, मर्यादा और कर्तव्य पालन का संदेश दिया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग के माध्यम से अधर्म पर धर्म की विजय का महत्व समझाया।

आचार्य ने बताया कि भगवान श्रीराम ने भी नवरात्र में माता की उपासना कर शक्ति प्राप्त की थी, जिससे उन्हें रावण पर विजय हासिल करने में सफलता मिली। उन्होंने श्रद्धा, साधना और विश्वास को जीवन की सफलता का आधार बताया।

कार्यक्रम का आयोजन श्री नारायण निष्काम सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है, जो वर्षों से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा दे रही है। समिति द्वारा रामलीला, कथा आयोजन और सामाजिक कार्यक्रमों के साथ जरूरतमंदों की सहायता भी की जाती है। पंडाल संचालक श्री हरीश पंत ने श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए नियमित कथा श्रवण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ललित पंत, महासचिव मनोज शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की भव्यता और भी बढ़ गई।

दिल्ली में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई: 75 मामलों में वांछित 'गंजा' मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी में अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की विशेष कार्यबल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात अपराधी मोहम्मद सलीम उर्फ गंजा को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के बदरपुर इलाके में हुई इस कार्रवाई के दौरान आरोपी पुलिस की जवाबी गोलीबारी में घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, विशेष कार्यबल को सूचना मिली थी कि मोहम्मद सलीम बदरपुर क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम ने इलाके में घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया और मौके पर ही काबू कर लिया गया।

मोहम्मद सलीम उर्फ गंजा दिल्ली का कुख्यात अपराधी बताया जाता है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, चोरी और सेंधमारी समेत 75 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह 20 से अधिक मामलों में वांछित भी था और लंबे समय से फरार चल रहा था।

जांच में यह भी सामने आया है कि सलीम का संबंध नासिर गिरोह और दानिश पहलवान गिरोह से है। वह संगठित अपराध की कई वारदातों में शामिल रहा है। उसका नाम एक गैंगस्टर की हत्या और गिरोह से जुड़े अन्य आपराधिक मामलों में भी सामने आया था।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। अब यह जांच की जा रही है कि आरोपी को हथियार कहां से मिले और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही उसके नेटवर्क और अन्य साथियों की तलाश भी तेज कर दी गई है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि राजधानी में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस घटना के बाद बदरपुर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

संपादकीय

पाषाण युग की धमकी कितनी कारगर

राष्ट्रपति ट्रंप को अब इन बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत भी महसूस नहीं हो रही कि यह बेवजह नहीं है कि वह आए दिन कोई ना कोई ऐसी टिप्पणी या बयान दे देते हैं जो स्थितियों को और ज्यादा जटिल बना देती है। राष्ट्र के नाम संबोधन में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आने वाले दो-तीन हफ्तों में ईरान का बड़ा हमला करने जा रहा हैर जो उन्हें बता देगा कि वह पाषाण युग में जा रहे हैं। ईरान के विरुद्ध अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले के बाद दुनिया भर में इस बात को लेकर चिंता व्याप्त है कि युद्ध अगर और अधिक लंबा खींचता है तो इसके असर से बहुत सारे देशों में कई तरह के संकट पैदा हो जाएंगे। युद्ध शुरू होने के एक महीने बाद भी साफ देखा जा सकता है कि कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट पैदा हो गया है। जिसकी वजह से आम जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। युद्ध में शामिल देशों के शीर्ष नेतृत्व से यह उम्मीद की जाती है कि वह घटनाक्रम पर संयम और धीरज के साथ परिपक्व टिप्पणी करें, ताकि तनाव को कम करने में मदद मिल सके और युद्ध के खात्मे का कोई रास्ता निकाले। लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति को इन बातों को गंभीरता से लेने की शायद आदत नहीं है। उनके बयान से यह साफ होता नजर आ रहा है कि उनके पास वापसी का कोई रास्ता बचा नहीं है। अमेरिका ने अब ईरान के नागरिक ढांचे और ऐतिहासिक संस्थाओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराए जाने के कुछ दिनों बाद सम्राट हिरोहितो ने टोक्यो के समर्पण की घोषणा की थी। इसके बाद ही प्रशांत क्षेत्र में द्वितीय विश्व युद्ध का अंत हुआ था। ट्रंप की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी इस बात का संकेत है कि वह उस 'जल्द जीत' को हासिल न कर पाने से कितने हताश हैं, जिसका भरोसा उन्हें इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दिलाया था। ट्रंप की यह धमकी संघर्ष के दौरान देश के नागरिकों, आर्थिक बुनियादी ढांचे और सैनिक ठिकानों पर की जा रही निरंतर बमबारी के बीच आई है। जो युद्ध जारी रखने के दौरान ईरान के संकल्प को कम करने में विफल रही है। इस बयान के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरानी शहर करज में एक पुल पर किए गए हमले का वीडियो साझा किया। जिसमें चेतावनी दी गई कि इससे पहले की सब कुछ खत्म हो जाए ईरान को समझौता कर लेना चाहिए। इसके विपरीत ईरान का मज़बूत इरादा, उसका डटकर मुकाबला करना और युद्ध को अपनी सीमाओं से बाहर तक ले जाना ईरान के बुलंद इरादों का प्रतीक है।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

लहरों पर लिखती भारत की नई शौर्यगाथा

दिलीप कुमार पाठक

आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो वह एक छोटी सी शुरुआत आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुकी है। भारत की करीब साढ़े सात हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा केवल भूगोल का हिस्सा नहीं है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। हमारे बंदरगाह आज केवल सामान उतारने और चढ़ाने की जगह नहीं रह गए, वे आधुनिक भारत के वे द्वार बन चुके हैं जहाँ से आत्मनिर्भर भारत का सपना दुनिया के बाजारों तक पहुँच रहा है। देश का लगभग 95% व्यापार आज भी इन्हीं लहरों के रास्ते होता है। ज़रा सोचिए, उन गुमनाम नाविकों के बारे में जो महीनों तक अपनों से दूर, अनजानी हवाओं और तूफानी लहरों के बीच डटे रहते हैं ताकि हमारे घरों के चिराग जलते रहें और कारखानों के पहिए घूमते रहें। उनका त्याग इस समुद्री प्रगति का असली आधार है। अक्सर हम हिमालय की ऊंचाइयों की चर्चा तो बहुत करते हैं, लेकिन दक्षिण में फैले इस विशाल रत्नगर्भा नीले समंदर की गहराई को भूल जाते हैं। आज भारत जिस नीली अर्थव्यवस्था या ब्लू इकोनॉमी की बात कर रहा है, वह भविष्य का सबसे बड़ा निवेश है।

उफनती लहरें, गहरा नीला समंदर और क्षितिज पर डूबता सूरज–ये दृश्य अक्सर हमें सुकून देते हैं, लेकिन इसी असीम विस्तार के पीछे छिपी है एक राष्ट्र के स्वाभिमान और समृद्धि की वह कहानी, जिसे हम राष्ट्रीय समुद्री दिवस के रूप में याद करते हैं। यह दिन केवल एक तारीख भर नहीं है, बल्कि यह उस साहस का उत्सव है जिसने सदियों पहले विदेशी बेड़ियों को तोड़कर खुले समुद्र में अपनी पहचान दर्ज की थी। कल्पना कीजिए उस दौर की, जब समंदर पर केवल फिरंगियों का राज हुआ करता था। उनके जहाज चलते थे, उनके नियम चलते थे और हमारी अपनी विरासत कहीं किनारे पर खड़ी असहाय नजर आती थी। ऐसे में एक हिंदुस्तानी जहाज, एसएस लॉयल्टी, मुंबई के तट से लंदन के लिए निकलता है। वह सिर्फ लकड़ी और लोहे का ढांचा नहीं था, वह करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों का वह पुल था जिसने दुनिया को बता दिया कि भारत की सीमाएं केवल जमीन तक सीमित नहीं हैं। वह यात्रा एक विद्रोह थी, एक घोषणा थी कि अब हम लहरों के साथ बहेंगे नहीं, बल्कि उन्हें अपनी दिशा में मोड़ेंगे।

आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो वह एक छोटी सी शुरुआत आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुकी है। भारत की करीब साढ़े सात हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा केवल भूगोल का हिस्सा नहीं है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। हमारे बंदरगाह आज केवल सामान उतारने और चढ़ाने की जगह नहीं रह गए, वे आधुनिक भारत के वे द्वार बन चुके हैं जहाँ से आत्मनिर्भर भारत का सपना दुनिया के बाजारों तक पहुँच रहा है। देश का लगभग 95% व्यापार आज भी इन्हीं लहरों के रास्ते होता है। ज़रा सोचिए, उन गुमनाम नाविकों के बारे में जो महीनों तक अपनों से दूर, अनजानी हवाओं और तूफानी लहरों के बीच डटे रहते हैं

ताकि हमारे घरों के चिराग जलते रहें और कारखानों के पहिए घूमते रहें। उनका त्याग इस समुद्री प्रगति का असली आधार है।

अक्सर हम हिमालय की ऊंचाइयों की चर्चा तो बहुत करते हैं, लेकिन दक्षिण में फैले इस विशाल रत्नगर्भा नीले समंदर की गहराई को भूल जाते हैं। आज भारत जिस नीली अर्थव्यवस्था या ब्लू इकोनॉमी की बात कर रहा है, वह भविष्य का सबसे बड़ा निवेश है। गहरे समुद्र से निकलने वाले खनिज हों या तटों पर बसते मछुआरे भाइयों का जीवन, हर एक बिंदु इस विशाल तस्वीर का हिस्सा है। आधुनिक तकनीक ने अब हमें वह सामर्थ्य दे दिया है कि हम समंदर से न केवल संपदा निकाल रहे हैं, बल्कि उसकी रक्षा करना भी सीख रहे हैं। प्लास्टिक के प्रदूषण से लेकर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तक, आज का भारत एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनकर उभर रहा है। आज हम केवल व्यापारिक जहाज ही नहीं चला रहे, बल्कि समंदर की लहरों पर अपना स्वदेशी आईएनएस विक्रांत जैसा विमानवाहक पोत भी लहरा रहे हैं। यह उस तकनीकी कौशल का प्रमाण है जो बताता है कि हम रक्षा और सुरक्षा के मामले में भी अब किसी के मोहताज नहीं हैं। हिंद महासागर में भारत की बढ़ती धमक यह सुनिश्चित करती है कि यह क्षेत्र शांति और प्रगति का केंद्र बना रहे। सागर का जो विजन हमारे विज़नरी लोगों ने दिया है, वह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए सुरक्षा और विकास का मंत्र है। जैसे-जैसे दुनिया सिमट रही है और व्यापार के नए गलियारे खुल रहे हैं, समुद्र का महत्व और बढ़ता जा रहा है। हमारी युवा पीढ़ी को अब इन लहरों में छिपे करियर और एडवेंचर को पहचानना होगा। यह केवल जहाजों का संचालन नहीं है, यह वैश्विक कूटनीति और अर्थव्यवस्था की वह धुरी है जहाँ भारत अब अगली कतार में खड़ा है। जब तक सूरज की किरणें इन लहरों पर चमकती रहेंगी, भारत की यह समुद्री यात्रा निरंतर चलती रहेगी।

आज का दिन रुककर उन लहरों को सलाम करने का है, जिन्होंने हमें दुनिया से जोड़ा। उन पूर्वजों को नमन करने का है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस नहीं खोया। और सबसे बढ़कर, उन युवाओं को प्रोत्साहित करने का है जो आने वाले समय में भारत की इस गौरवगाथा को और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। समुद्र हमें सिखाता है कि शांत रहकर भी विशाल कैसे बना जाता है और चुनौतियों के थपेड़ों को सहकर भी अपनी मंजिल कैसे पाई जाती है। आइए, इस राष्ट्रीय गौरव के पर्व पर संकल्प लें कि हम अपनी इस अमूल्य समुद्री विरासत को सहेजेंगे, संवारेंगे और दुनिया के मानचित्र पर भारत को समुद्री जगत का निर्विवाद सम्राट बनाएंगे। लहरें पुकार रही हैं, और भारत अपनी नई मंजिल की ओर मजबूती से कदम बढ़ा चुका है।

घुमंतू समाज की पहचान का आधार बनेगी जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं, जिन्हें आज तक ठीक से गिना ही नहीं गया–न आंकड़ों में, ना नीतियों में, और ना ही संवेदनाओं में। ये वे लोग हैं, जिन्हें कभी अंग्रेजों ने "जन्मजात अपराधी" घोषित कर दिया था और आजादी के 78 साल बाद भी जिनकी पहचान उसी कलंक के बोझ तले दबी हुई है। यह विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां हैं। यह आज भी भारत के विकास के नक्शे में अदृश्य बनी हुई हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का एक सुनहरा अवसर है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम इन समुदायों के जीवन पर एक अमिट दाग बनकर चिपक गया। इस कानून ने उन्हें जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनके जीवन का हर पहलू संदेह और निगरानी के घेरे में आ गया। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की एक संगठित व्यवस्था थी। स्वतंत्रता के बाद 1952 में इस अधिनियम को समाप्त कर इन समुदायों को "विमुक्त" तो कर दिया गया, लेकिन समाज की मानसिकता आज भी उस औपनिवेशिक सोच से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप, ये समुदाय आज भी पुलिस के संदेह, सामाजिक तिरस्कार और सरकारी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहने के कारण स्कूलों में नामांकन और निरंतरता दोनों ही मुश्किल हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, इन समुदायों में ड्रॉपआउट दर अत्यधिक है और साक्षरता का स्तर बेहद निम्न। शिक्षा से वंचित रहना केवल एक व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल देना है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के कारण ये लोग कुपोषण, संक्रमण और अन्य बीमारियों से जूझते रहते हैं। सरकारी अस्पतालों तक पहुंच की कमी और जागरूकता का अभाव उनकी समस्याओं को और गंभीर बना देता है।

इन सबके बीच सबसे ज्यादा कठिनाई महिलाओं को झेलनी पड़ती है। एक ओर वे सामाजिक और आर्थिक पिछड़पेन से जूझती हैं, तो दूसरी ओर लैंगिक भेदभाव और असुरक्षा की मार भी सहती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने के कारण उनकी स्थिति और भी कमजोर हो जाती है। कई मामलों में वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी दूर रहती हैं, जिससे उनकी आवाज़ नीति-निर्माण तक पहुंच ही नहीं पाती। नीतिगत स्तर पर भी इन समुदायों के साथ लंबे समय तक न्याय नहीं हो पाया है। 2019 में विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन और सीड जैसी योजनाएं शुरू करना सकारात्मक कदम जरूर हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। बजट की कमी, कमजोर कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति इन योजनाओं को प्रभावी बनने से रोकती है। सबसे महत्वपूर्ण समस्या यह है कि इन समुदायों के बारे में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। जब तक किसी समूह की वास्तविक संख्या, स्थिति और आवश्यकताओं का स्पष्ट आकलन नहीं होगा, तब तक उसके लिए प्रभावी नीतियां बनाना संभव नहीं है। यही वह बिंदु है, जहां 2027 की जनगणना एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। अगर इस जनगणना में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए अलग कॉलम और कोड शामिल किया जाता है, तो यह उनके अस्तित्व को औपचारिक मान्यता देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पहचान, सम्मान और अधिकारों की बहाली का प्रश्न है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। जाति जनगणना को लेकर पहले से ही राजनीतिक बहस जारी है और ऐसे में एक नई श्रेणी जोड़ना विवाद को और बढ़ा सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। अगर सरकार और समाज इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करें, तो इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

इसके लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार करें। स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण और डेटा संग्रह की व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि घुमंतू समुदायों को सही तरीके से गिना जा सके। आधुनिक तकनीक–जैसे डिजिटल जनगणना और जीपीएस ट्रैकिंग–का उपयोग कर उनकी गतिशील जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डेटा एकत्र किया जा सकता है। साथ ही, गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों को इस प्रक्रिया में शामिल करना भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वे इन समुदायों के साथ सीधे जुड़े होते हैं और उनकी वास्तविक स्थिति को बेहतर समझते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में विशेष योजनाएं बनाकर इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ना होगा। मोबाइल स्कूल, अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र और कौशल विकास कार्यक्रम जैसे उपाय उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। इसके अलावा, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में संवेदनशीलता लाना भी जरूरी है, ताकि इन समुदायों के प्रति मौजूद पूर्वाग्रहों को समाप्त किया जा सके। वैश्विक स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जहां घुमंतू और हाशिये पर मौजूद समुदायों के लिए विशेष नीतियां बनाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया गया है। यूरोप में रोमा समुदाय के लिए चलाए गए कार्यक्रम इस दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण हैं। भारत भी इनसे सीख लेकर अपने संदर्भ में प्रभावी नीतियां विकसित कर सकता है। अंततः, यह सवाल केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि उस न्याय का है, जो इन समुदायों से दशकों से छीन लिया गया है। 2027 की जनगणना इस अन्याय को समाप्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। अगर इस अवसर को भी गंवा दिया गया, तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं होगी, बल्कि यह हमारे संविधान के उस वादे का भी उल्लंघन होगा, जो समानता और न्याय की बात करता है। अब समय आ गया है कि हम इन अदृश्य नागरिकों को दृश्य बनाएं, उन्हें गिनें, पहचान दें और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करें, क्योंकि जब तक समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक विकास का कोई भी दावा अधूरा ही रहेगा।

मुश्किलों से उबरने के लिए बुद्धि और वीरता का सहारा लेना चाहिए, पशु-बलि का नहीं!

गौतम बुद्ध के काल में एक राजा था अजातशत्रु। एक समय जब अजातशत्रु कई मुश्किलों से घिर गया, राजा मुसीबतों से बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज पा रहा था। इन परेशानियों के कारण अजातशत्रु की चिंता बहुत बढ़ गई थी। इसी दौरान उनकी भेंट एक तांत्रिक से हुई। राजा ने तांत्रिक को चिंता का कारण बताया। तांत्रिक ने राजा को मुसीबतों से मुक्ति के लिए पशु बलि देने का उपाय बताया। राजा ने तांत्रिक की बात पर भरोसा करते हुए पशुओं की बलि देने का मन बना लिया। इसके लिए एक बड़ा अनुष्ठान किया गया और बलि के लिए एक भैंसे को बांधकर मैदान में खड़ा कर दिया गया। संयोगवश उस समय में गौतम बुद्ध राजा अजातशत्रु के नगर पहुंचे। बुद्ध ने देखा कि एक मूक पशु की गर्दन पर

मौत की तलवार लटक रही है तो उनका मन करुणा से भर आया। वे राजा अजातशत्रु के पास पहुंचे। बुद्ध ने एक तिनका राजा को देकर कहा कि राजन्, मुझे इसे तोड़कर दिखाएं। राजा ने तिनके के दो टुकड़े करके गौतम बुद्ध को दे दिए। गौतम बुद्ध ने टूटे तिनके फिर से राजा को देकर कहा कि अब इन दोनों टुकड़ों को जोड़कर दिखाएं। गौतम बुद्ध की यह बात सुनकर अजातशत्रु अचंभित रह गया। राजा ने कहा- टूटे तिनके कैसे जुड़ सकते हैं? राजा का उत्तर सुनकर बुद्ध ने कहा कि राजन्, जिस तरह यह तिनका तोड़ा जा सकता है, जोड़ा नहीं जा सकता। उसी तरह मूक पशु को मारने के बाद आप उसे जिंदा नहीं कर सकते। बल्कि इस जीव हत्या से परेशानियां कम होने के बजाय और बढ़ती ही हैं। आप ही की तरह इस पशु को भी तो जीने का हक है। जहां तक मुश्किलों का सवाल है तो इन्हें कम करने के लिए बुद्धि और वीरता का सहारा लेना चाहिए। असहाय प्राणियों की बलि मत दीजिए। भगवान बुद्ध की ये बात सुनकर राजा अजातशत्रु भी शर्मिंदा हो गया। राजा ने तत्काल पशु-बलि बंद करने का आदेश दे दिया।

आज का इतिहास

1975 - सऊदी अरब के राजा फ़ैजल की हत्या।
1999 - इराक में वियाग्रा पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा, मलेशिया में 'हेन्ड्रा' नामक वायरस से बचाव के लिए 8 लाख 30 हज़ार सूअरों की सामूहिक हत्या किये जाने का कार्यक्रम प्रारम्भ।
2001 - जासूसी विमान प्रकरण में संयुक्त राज्य अमेरिका ने घुटने टेके, चीन के समक्ष खेद प्रकट, संयुक्त राष्ट्र संघ की टीम मिलोसेविच को गिरफ़्तार करने के लिए बेलग्रेड पहुँची।
2002 - भारत, म्यांमार व थाइलैंड के बीच मोरे-कलावा-मांडले सड़क परियोजना पूरी करने हेतु सहमति।
2003 - अमेरिकी संसद में पाक की आर्थिक मदद में कटौती का प्रस्ताव पेश।
2006 - सिंगापुर में 45 भारतीयों को आव्रजन अपराधों में गिरफ़्तार किया गया।
2007 - ईरान ने 15 ब्रिटिश नौसैनिकों को रिहा किया।

जन्म

1479 - गुरु अमरदास - सिक्खों के तीसरे गुरु, जो 73 वर्ष की उम्र में गुरु नियुक्त हुए थे।
1908 - जगजीवन राम - राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, सांसद और कैबिनेट मंत्री के रूप में देश की आजीवन सेवा की।
1920 - रफ़ीक़ ज़करिया - राजनेता
1923 - मो. उस्मान आरिफ़ - उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल तथा केन्द्रीय निर्माण एवं आवास मंत्रालय में उपमंत्री थे।
1938 - हुकुम सिंह - भारतीय राजनीतिज्ञ तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री थे।
1939 - के. रहमान ख़ान - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे।
1967 - अनु गर्ग- भारतीय-अमेरिकी लेखक और वक्ता
1969 - रवीन्द्र प्रभात - अंतर्जाल पर सक्रिय लेखकों मे अग्रणी और चर्चित व्यक्ति।
1992 - अतानु दास - भारतीय तीरंदाज हैं जिन्होंने अपने तीरंदाजी कॅरियर की शुरुआत साल 2008 में की थी।

निधन

1993 - दिव्या भारती - अभिनेत्री
1989 - पन्नालाल पटेल - गुजराती भाषा के जानेमाने साहित्यकार थे।
1940 - सी. एफ़. एंड्रयूज - एक ईसाई मिशनरी, शिक्षाविद् एवं गाँधीजी के सहायक थे।

पाषाण युग की धमकी और आधुनिक दुनिया का डर: मध्य-पूर्व की जंग

सुनील कुमार महला

मध्य-पूर्व में जंग को चलते हुए एक महीने से भी ज्यादा का समय(34-35 दिन)हो गया है और इस युद्ध के और अधिक लंबा खिंचने से पूरी दुनिया सकते में है। इधर, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त/कड़ा रूख अपनाते हुए यह बात कही है कि अमेरिका बमबारी कर ईरान को पाषाण युग में पहुंचा देगा, जहां वो पहले था। वास्तव में, डोनाल्ड ट्रम्प के इस बयान का सीधा सा मतलब यह है कि किसी देश की सैन्य, आर्थिक और बुनियादी ताकत को पूरी तरह खत्म कर देना। इसे ठीक नहीं ठहराया जा सकता है।

बहरहाल , यहां पाठकों को बताता चलूं कि ट्रंप ने 2 अप्रैल 2026 गुरुवार तड़के (भारतीय समयानुसार) व्हाइट हाउस से प्राइम टाइम संबोधन में ये बात(ईरान को पाषाण युग में पहुंचा देने की बात) कही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद युद्धविराम और हॉर्मुज खुलने की उम्मीद लगा रही दुनिया सकते में हैं। ट्रंप ने कहा कि 32 दिन की जंग और अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन के बाद ईरान अब कोई खतरा नहीं है। अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को नष्ट कर दिया है और ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पर हमला न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि सभी देश युद्ध के बजाय बातचीत, सहयोग और शांति के मार्ग को अपनाएं। हाल फिलहाल, ट्रंप ने कहा कि अगले दो-तीन हफ्तों में ईरान पर कड़ा प्रहार करेंगे और हम उसे पाषाण युग में भेज देंगे, जहां उसे वास्तव में होना चाहिए था। हालांकि, ट्रंप ने युद्ध को खत्म करने की कोई ठोस योजना नहीं बताई। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि अमेरिका बहुत जल्दी अपना काम पूरा कर लेगा। इधर, डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद ईरान की आईआरजीसी के एयरोस्पेस प्रमुख जनरल सैय्यद माजिद मूसावी ने यह बात कही है कि 250 साल का इतिहास वाला देश छह हजार साल पुरानी सभ्यता को धमकी दे रहा है, और ये सिर्फ उसका भ्रम है। ट्रंप के पाषाण युग वाली धमकी से जुड़े अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की पोस्ट के जवाब में मूसावी ने कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों को उनकी कब्रों की ओर ले जा रहा है। ईरान को पाषाण युग में ले जाना सिर्फ आपका भ्रम है। उन्होंने कहा कि हॉलीवुड के भ्रमों से अमेरिका के दिमाग में जहर भर गया है, इसी का नतीजा है कि वो हजारों साल पुरानी सभ्यता को धमका रहा है। अगर उसकी धरती पर कोई उतरता है तो एक भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचेगा। वहीं, ईरान के पहले उप-राष्ट्रपति मो. रेजा आरीफ ने कहा कि सिर्फ पाषाण युग की मानसिकता वाला व्यक्ति ही देशों को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी दे सकता है।ईरान सेना के प्रमुख मेजर जनरल आमीर हतामी ने कहा कि हमपर हमला करने वाले नहीं बचेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई हमारी धरती पर आक्रमण करता है तो हम उसे कड़ा जवाब देंगे। हमारे देश से युद्ध का साया हटना चाहिए। सभी के लिए सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। वहीं ईरानी सेना के प्रवक्ता ले. कर्नल इब्राहिम जोल्फागरि ने कहा कि ईरान के पास मिसाइलों और विस्फोटों का पर्याप्त भंडार है। जिन सैन्य ठिकानों पर आपने हमला किया वो ईरान के लिए महत्वहीन हैं। वहीं दूसरी ओर दुनियाभर के निवेशकों को यह उम्मीद थी की मध्य पूर्व की जंग थम जाएगी। तेल संकट से जूझ रहे देशों को इससे उबरने का मौका मिलेगा, लेकिन ट्रंप के ऐलान से दुनियाभर के बाजार सकते में आ गए। भारत का शेयर बाजार भी शुरुआत में लड़खड़ाकर संभला। कच्चा तेल और महंगा हो गया।सच तो यह है कि मध्य-पूर्व की जंग से पूरी दुनिया को कहीं न कहीं समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।एशियाई बाजारों में गिरावट आ गई है और निक्केई, शंघाई, हैंगसैंग और सिंगापुर के बाजार 3% टूटे हैं। हालांकि, सेंसेक्स झटकों के बाद निचले स्तर से 2000 अंक सुधरा है।अमेरिकी बाजारों में भी जंग का काफी हद तक असर हुआ है और यही कारण है कि डैक्स, फिट्सी, नैस्डेक, डाओ जोन्स आधा फीसदी गिरा है। इधर, रुपये को आरबीआई ने संभाला और यह 1.56 रुपये की बढ़त लेकर 93.14 पर बंद हुआ। इतना ही नहीं, जंग से सोने-चांदी की कीमतों पर भी व्यापक रूप से असर पड़ा है और सोना 3500 रुपये तो चांदी 9000 रुपये की गिरावट लेकर बंद हुई। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि ताज़ा (अप्रैल 2026 तक) उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका-ईरान-इज़राइल युद्ध के कारण ईरान में सबसे भारी नुकसान हुआ है, जहाँ अब तक लगभग 1,800 से 2,000+ मौतें और करीब 20,000 तक घायल बताए जा रहे हैं। वहीं इज़राइल में लगभग 19-30 लोगों की मौत और 4,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। वहीं,अमेरिका के करीब 13-15 सैनिक मारे गए हैं। अगर पूरे संघर्ष क्षेत्र (ईरान, इज़राइल, लेबनान व अन्य प्रभावित इलाकों) को जोड़ें तो रायटर के अनुसार कुल मौतों का आंकड़ा 3,000 से 5,000 से अधिक के बीच पहुँच चुका है, जबकि घायलों की संख्या 20,000 से अधिक है। ताज़ा खबरों में यह भी बताया गया है कि यह युद्ध अभी जारी है और लगातार हवाई हमलों व मिसाइल हमलों के कारण ये आंकड़े रोज़ बढ़ रहे हैं, जिससे यह एक बड़ मानवीय संकट में बदलता जा रहा है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष-खासतौर पर ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव ने पूरी दुनिया को गहरे संकट में डाल दिया है। तेल और गैस आपूर्ति पर इसका सीधा असर पड़ा है, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है; परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल और एलएनजी की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। इसका असर यह हुआ कि परिवहन लागत बढ़ी, जिससे खाद्यान्न, दाल-अनाज, सबज़ियों और रोज़मर्रा के सभी आवश्यक सामान महंगे हो गए। कई देशों में महंगाई दर तेजी से बढ़ी है और आर्थिक अस्थिरता की आशंका गहरा गई है। इसके साथ ही पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को भी भारी क्षति पहुंच रही है। लगातार हो रहे हवाई हमलों, मिसाइल हमलों और तेल भंडारण केंद्रों पर हमलों से बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन, आगजनी और प्रदूषण बढ़ा है। समुद्री क्षेत्रों में तेल रिसाव का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे समुद्री जीव-जंतु और तटीय पारिस्थितिकी प्रभावित हो रही है। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में जल, वायु और मिट्टी प्रदूषण के कारण मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरे मंडरा रहे हैं। इस प्रकार यह संघर्ष केवल सैन्य या राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, पर्यावरणीय और मानवीय संकट का व्यापक रूप ले चुका है। वास्तव में, युद्ध किसी भी समस्या का अंतिम और स्थायी समाधान नहीं हो सकता, बल्कि यह मानवता पर सीधा और गहरा प्रहार है। वर्तमान में अमेरिका, ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ता तनाव इस बात का उदाहरण है कि शक्ति प्रदर्शन और सैन्य टकराव केवल विनाश को जन्म देते हैं, समाधान को नहीं।सच तो यह है कि यह जंग जितनी लंबी खिंच रही है, उतना ही दुनिया के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। बड़े देशों के आक्रामक बयान हालात को और बिगाड़ सकते हैं। इसका असर सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और शांति पर पड़ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

अल्पसंख्यकों पर हमला करने वालों से केरल के सीएम की सांठगांठ: राहुल गांधी

अलप्पुझा (केरल)। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि देश के अन्य हिस्सों में "अल्पसंख्यकों पर हमला करने वाले" लोगों के साथ मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की सांठगांठ है। गांधी ने यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा-एलडीएफ के बीच गठजोड़ का आरोप दोहराया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर चुनाव प्रचार के दौरान शबरिमला मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राज्य की 140 विधानसभा सीट पर नौ अप्रैल को मतदान होना है। कांग्रेस नेता के साथ मंच साझा करने वाले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पूर्व नेता जी सुधाकरन का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि उनकी मौजूदगी एलडीएफ के भीतर गहरी दरार का संकेत है। सुधाकरन अंबलपुझा से यूडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। गांधी ने कहा, "मंच पर एक वरिष्ठ वामपंथी नेता बैठे हैं। इसके पीछे कारण है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने अचानक अपनी सोच बदल ली है। जो लोग वर्षों तक किसी राजनीतिक संगठन में रहते हैं, वे उसके मूल्यों को आत्मसात कर लेते हैं। वे अवसरवादी रुख के कारण यहां नहीं हैं, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि एलडीएफ में मूल भावना बदल गई है।" उन्होंने कहा, "एलडीएफ का मतलब है 'वाम लोकतांत्रिक मोर्चा', लेकिन अब साफ तौर पर उसमें कुछ भी 'वामपंथी' नहीं रह गया है। चुनाव के बाद स्थिति और भी बदतर हो जाएगी।" गांधी ने आरोप लगाया कि एलडीएफ ऊपर से कुछ और दिखती है, लेकिन असल में उसकी दिशा कहीं और से तय

हो रही है, इसी कारण उसके नेता व कार्यकर्ता भी असहज हैं। उन्होंने कहा, "एलडीएफ पर ऐसी ताकतों का प्रभाव है जो सांप्रदायिक राजनीति करती हैं, भारत के संविधान को नहीं मानतीं, लोगों को बांटती हैं और नफरत फैलाती हैं। केरल में हर कोई भाजपा, आरएसएस तथा माकपा के बीच संबंध देख सकता है।" पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एलडीएफ में दो तरह के नेता हैं-"एक वे जो सत्ता के लिए अवसरवादी रुख अपनाते हैं और भाजपा-आरएसएस के समर्थन की परवाह नहीं करते, तथा दूसरे वे जो वर्षों तक पार्टी के लिए काम करने के बाद अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।" गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह अन्य राज्यों में अपने भाषणों में धर्म और मंदिरों की बात करते हैं, लेकिन केरल में शबरिमला से जुड़े मुद्दों पर चुप रहते हैं। उन्होंने कहा, "मैं भाजपा और आरएसएस का सामना करता हूं। वे मुझ पर हमला करते हैं, मेरे खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं, मुझसे पूछताछ होती है, लेकिन मैं पीछे नहीं हटता। मोदी मुझ पर रोज हमला करते हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री व उनके परिवार पर कुछ क्यों नहीं बोलते?" गांधी ने आरोप लगाया, "जब मोदी केरल आते हैं, तो वह धर्म और मंदिरों की बात नहीं करते, क्योंकि वह एलडीएफ की मदद करना चाहते हैं। सच्चाई यह है कि वह जानते हैं कि एलडीएफ उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती नहीं देगा।" उन्होंने दावा किया कि देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। गांधी ने कहा, "यहां की दो नन पर छत्तीसगढ़ में हमला हुआ, मणिपुर में चर्च जलाए गए। जो लोग अल्पसंख्यकों-मुसलमानों, ईसाइयों और सिखों पर हमला कर रहे हैं, उन लोगों के साथ मुख्यमंत्री की सांठगांठ है।" उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, दोनों ही लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद "अहंकारी" हो गए हैं और उन्हें जनता की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जब संसद में पांच-छह महिला सांसद खड़ी हुईं, तो मोदी ने इसे अपने ऊपर हमले के तौर पर देखा। विजयन के बारे में भी ऐसी ही तुलना करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि जब कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए तो उन्हें "पीट-पीटकर अधमरा कर दिया गया।" उन्होंने कहा, "उन्हें लगता है कि लोग उन पर हमला कर देंगे, इसलिए वे पहले ही हमला कर देते हैं। ये दोनों सत्ता के नशे में चूर नेताओं के उदाहरण हैं, जिन्होंने जनता से अपना नाता तोड़ लिया है।" गांधी ने आरोप लगाया कि केरल "मादक पदार्थों की राजधानी" बन गया है और दावा किया कि राज्य के 75 प्रतिशत धान किसान कर्ज में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा, "इस क्षेत्र का एक बुनियादी 'कॉयर' उद्योग बर्बाद हो चुका है। करीब 1.3 लाख कामगारों के पास रोजगार नहीं है।" उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इससे भारत के छोटे किसानों पर गंभीर असर पड़ेगा। पश्चिम एशिया की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पेट्रोलियम और गैस की कमी पैदा हो सकती है और भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, "भारत अमेरिका के राष्ट्रपति की अनुमति के बिना किसी भी देश से तेल नहीं खरीद सकता। डोनाल्ड ट्रंप कौन होते हैं हमें यह बताने वाले कि हम तेल और गैस कहां से खरीदें?" उन्होंने आरोप लगाया कि भारत का डेटा अमेरिका को सौंप दिया गया है और कृषि क्षेत्र को इस तरह खोला गया है जिससे घरेलू हितों को नुकसान हो सकता है।

स्टालिन ने केंद्र सरकार के तीन-भाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने का 'गुप्त' तंत्र बताया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा हाल में जारी की गयी पाठ्यक्रम रूपरेखा का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि ''तथाकथित तीन-भाषा फॉर्मूला'' वास्तव में गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी के विस्तार का एक ''गुप्त'' तंत्र है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष ने कहा कि सीबीएसई की यह पाठ्यक्रम रूपरेखा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप है। यह कोई साधारण शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि भाषा थोपने की एक सोची-समझी और चिंताजनक कोशिश है, जो उनकी लंबे समय से चली आ रही आशंकाओं को सही साबित करती है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ''भारतीय भाषाओं'' को बढ़ावा देने के नाम पर भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार एक एजेंडा आगे बढ़ा रही है, जिसमें हिंदी को प्राथमिकता दी जा रही है और भारत की समृद्ध व विविध भाषाई विरासत को व्यवस्थित रूप से हाशिए पर धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा, ''तथाकथित तीन-भाषा फॉर्मूला वास्तव में गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी के विस्तार का एक गुप्त तंत्र है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि दक्षिणी राज्यों के छात्रों के लिए यह रूपरेखा व्यवहारिक रूप से ''अनिवार्य हिंदी शिक्षा'' में तब्दील हो जाती है। उन्होंने सवाल उठाया, ''लेकिन पारस्परिकता कहां है? क्या हिंदी भाषी राज्यों के छात्रों के लिए तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम या बंगाली और मराठी जैसी भाषाएं सीखना अनिवार्य किया जाएगा? इस बारे में पूरी तरह स्पष्टता का अभाव इस नीति के एकतरफा और भेदभावपूर्ण स्वरूप को उजागर करता है। यह विडंबना स्पष्ट और

अस्वीकार्य है।'' स्टालिन ने यह भी सवाल उठाया कि क्या केंद्र सरकार को जमीनी हकीकत की समझ है, जैसे शिक्षकों की उपलब्धता, प्रशिक्षण क्षमता और बुनियादी ढांचा। उन्होंने पूछा, ''इस व्यापक योजना को लागू करने के लिए योग्य शिक्षक कहां हैं? और सबसे महत्वपूर्ण, शिक्षा व्यवस्था पर पड़ने वाले इस बड़े बोझ के लिए वित्तीय संसाधन कहां हैं?'' उन्होंने आगाह किया कि हिंदी भाषी छात्रों को संरचनात्मक रूप से प्राथमिकता देने से उच्च शिक्षा और रोजगार में असमानताएं बढ़ सकती हैं, जिससे क्षेत्रीय विषमताएं और गहरी होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु और अन्य राज्यों की वैध और लोकतांत्रिक चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए हिंदी थोपने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देती है। यह सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है और लाखों लोगों की भाषाई पहचान का अपमान है। स्टालिन ने पूछा कि क्या ई. के. पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्ना द्रमुक और तमिलनाडु में राजग के उसके सहयोगी दल हिंदी ''थोपे'' जाने का समर्थन करते हैं।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने एक मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन ने एक मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें शीर्ष अदालत ने पिछले महीने फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने यह कदम तब उठाया जब उनके संज्ञान में आया कि वह पहले इस मामले में अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हो चुके थे। न्यायमूर्ति विश्वनाथन को 19 मई, 2023 को सीधे बार से पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया था। अप्रैल 2009 में उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया था और पदोन्नति से पहले वह प्रमुख वकीलों में शामिल थे। 'अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा दायर इस मामले की सुनवाई एक अप्रैल

को न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने की थी। पीठ ने कहा, ₹इस मामले की अंतिम सुनवाई हुई थी और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। फैसला सुरक्षित रखने के बाद न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन के संज्ञान में आया कि वह इस मामले में मुख्य कर्जदार के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हुए थे।₹ इस मामले में 17 मार्च को फैसला सुरक्षित रखा गया था। इस घटनाक्रम के मद्देनजर पीठ ने 17 मार्च के अपने आदेश को वापस ले लिया और निर्देश दिया कि मामले को भारत के प्रधान न्यायाधीश के निर्देशानुसार किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

मप्र के मुख्यमंत्री ने उप्र के वाराणसी में स्थानीय व्यंजनों का लिया स्वाद, जनता से किया संवाद

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार सुबह उत्तर प्रदेश के वाराणसी के श्रीराम भंडार में स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया। उनकी सादगी ने लोगों का दिल जीत लिया। उन्हें अपने बीच पाकर स्थानीय लोगों को यकीन ही नहीं हुआ। लोग उनसे मिलकर उत्साहित हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सादगी देख मुक्त कंठ से प्रशंसा की। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को विक्रमोत्सव 2026 के महानाट्य मंचन का शुभारंभ करने पहुंचे थे। 5 अप्रैल तक चलने वाले इस तीन दिवसीय महानाट्य का मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ हुआ। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव का काफिला जब एयरपोर्ट की ओर जा

रहा था, तभी वे मिंट हाउस स्थित श्रीराम भंडार पर अचानक रुक गए। यहां उन्होंने बनारस की मशहूर कचौड़ी, पूरी-राम भाजी ,जलेबी और लस्सी का स्वाद चखा।इसके बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के हर प्रांत और शहर की अपनी विशिष्ट खान-पान की शैली होती है, जो वहां की पहचान होती है। स्थानीय स्वाद और पारंपरिक व्यंजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की कृपा से उन्हें 7 दिन में 2 बार काशी आने का अवसर मिला। यह मेरा सौभाग्य है। शहर में आध्यात्मिक ऊर्जा है। उन्होंने काशी में आयोजित विक्रमादित्य पर आधारित महानाट्य की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह प्रस्तुति बेहद अद्भुत है और जो भी काशी आए, वह इसे जरूर देंखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सहज और सरल व्यवहार ने आम लोगों का दिल जीत लिया। स्थानीय लोगों ने भी उनसे मुलाकात कर खुशी जाहिर की और उनके इस अंदाज की सराहना की। कई लोगों ने उनसे बातचीत भी की। लोगों का कहना था कि डॉ. मोहन यादव से मिलकर ये लगा ही नहीं कि वे किसी मुख्यमंत्री से बात कर रहे हैं।

केरल में आकाशीय बिजली गिरने से 12 वर्षीय लड़की की मौत

इडुक्की। केरल के उरुवापारा में आकाशीय बिजली गिरने से 12 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की की पहचान एर्नाकुलम जिले के पेरुम्बावूर के पास चेरुवेलिक्कुन्नू निवासी अफसल की बेटी नफीसथुल मिसरिया के रूप में हुई है। उसने बताया कि मिसरिया और उनका परिवार शुक्रवार शाम को पर्यटन कार्यक्रम 'समरफेस्ट' में शामिल होने के लिए उरुवापारा पहुंचे थे। पुलिस ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से मिसरिया झुलस गई। दो अन्य लोग भी इस घटना में घायल हुए। उन्होंने बताया कि मिसरिया को पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घायल व्यक्तियों को फिलहाल थोडुपुझा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थोडुपुझा पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

मणिपुर : चार उग्रवादी गिरफ्तार, राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

इंफाल। उग्रवादी गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए, मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस स्टेशन के तहत यांगौबुंग गांव में चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान घाटी-आधारित उग्रवादी समूह (वीबीआईजी) के चार कैडरों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस द्वारा शनिवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार चारों उग्रवादियों को बीते गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। जिनकी पहचान केइशम सुमंता मैतेई (25, पीएलए से जुड़ा), अंगोम सोमरजीत सिंह उर्फ नोंगाबा (32, जो एनआरएफएम से जुड़ा), युमनाम

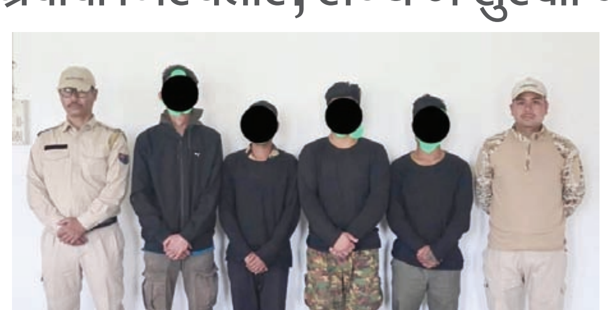

नाओबा सिंह उर्फ शिनसांगम्बा (26, जो केसीपी/एमएफएल से जुड़ा) और खुंड्राकपम श्यामसन मैतेई उर्फ मंगनलेइबा (25, जो केसीपी /एमएफएल से जुड़ा) के रूप में की गयी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कई जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण के अभ्यास तेज कर दिए हैं। इस बीच, अधिकारियों ने शुक्रवार को जरूरी सामानों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की, जिसके तहत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-37 से कुल 276 वाहन गुजरे। सामानों की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में काफिलों को सुरक्षा प्रदान की गई। बढ़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था के तहत, पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में 117 नाके और चेकपॉइंट बनाए गए। हालांकि, इन जांचों के दौरान किसी को भी हिरासत में लेने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली।

अरुणाचल के मेचुका में याक संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम शुरू

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के सुदूर मेचुका क्षेत्र में सरकार ने पारंपरिक पशुपालन को पुनर्जीवित करने और जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से 'याक संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम' शुरू किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शी योमी जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शुक्रवार को याक आधारित आय बहाल करने के लिए किसानों के बीच छह याक (चार मादा और दो नर) वितरित किए गए। इन इलाकों में पिछले कुछ वर्षों में याक की संख्या में गिरावट आई है। अधिकारियों ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत 45 किसानों को वैज्ञानिक तरीके से याक पालन पर जागरूक किया गया। साथ ही, उत्पादकता बढ़ाने और इस प्रयास को दीर्घकालिक बनाने के लिए 'अनुसूचित जनजाति घटक' (एसटीसी) के तहत सहायता भी प्रदान की गई। यह अभियान दिरंग स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र द्वारा इसके निदेशक मिहिर सरकार के नेतृत्व में 'जोमलो मोंगकु मिथुन फार्मर्स फेडरेशन' (जेएमएमएफएफ) और राज्य पशुपालन विभाग के सहयोग से चलाया जा रहा है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष की सर्वदलीय बैठक की मांग

मल्लिकार्जुन खरगे ने रिजिजू को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' के लागू करने के तरीकों और रोडमैप पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है। इस पत्र पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव समेत 10 से अधिक विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं।

खरगे ने अपने पत्र में कहा कि उन्होंने 16 मार्च, 2026 को भी किरेन रिजिजू को लिखा था कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में जल्द से जल्द एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सरकार अब सितंबर 2023 में पारित इस संविधान संशोधन में एक और संशोधन की योजना बना रही है। विपक्षी दलों ने इस प्रस्तावित संशोधन पर चर्चा के लिए बैठक की मांग की है। खरगे ने कहा कि बैठक को अधिक उत्पादक बनाने के लिए

सरकार को पहले एक नोट जारी करना चाहिए, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि वास्तव में क्या प्रस्तावित किया जा रहा है। बैठक विधानसभा चुनावों का मौजूदा दौर पूरा होने के बाद 29 अप्रैल को आयोजित की जाए। इससे पहले 16 मार्च को रिजिजू ने खरगे को पत्र लिखकर कहा था कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे लागू करने के लिए राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया था और कांग्रेस नेतृत्व से विस्तृत बातचीत का आग्रह किया था। इसके जवाब में खरगे ने सर्वदलीय बैठक की मांग करते हुए कहा था कि यह कानून सितंबर 2023 में बिना किसी सहमति के पारित हुआ था और अब 30 महीने बाद सरकार इसके लागू करने के तरीकों पर चर्चा करना चाहती है। कांग्रेस का मानना है कि इस पर सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए।

चुनाव 26 : मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने ओवैसी एवं कांग्रेस पर साधा निशाना

चराईदेव (असम)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का समर्थन करने के लिए अपनी यात्रा के दौरान ओवैसी की चुनावी बयानबाजी का मकसद राजनीतिक फायदे के लिए "मियां समुदाय को हथियार बनाना" है। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस पर ऐसी टिप्पणियों पर चुप रहने का भी आरोप लगाया। चराईदेव जिले के माहमारा और सोनारी विधानसभा क्षेत्रों चुनावी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने मीडिया से बातचीत करते हुए दावा किया कि कांग्रेस ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने और मतदाताओं को धार्मिक आधार पर बांटने के लिए ओवैसी को असम में "बुलाया" है। उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी के भाषणों से पता चलता है कि वे आबादी के कुछ खास तबकों को लामबंद करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ऐसी टिप्पणियों की आलोचना करने में नाकाम रही है और यूनुस तामुली और यूनुस अली जैसे लोगों से जुड़ी विवादित टिप्पणियों और घटनाओं पर चुप रही है।

चुनाव 26 : असम के नाओबेचा में राजग उम्मीदवार का समर्थन में मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने किया प्रचार

लखीमपुर (असम)। असम के लखीमपुर जिलांतर्गत सोनापुर हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को असम में तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में लौटने का भरोसा जताया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि लोगों की भारी भीड़ इस बात का सबूत है कि गठबंधन को जनता का जबरदस्त समर्थन हासिल है और लोग राजग को दोबारा सत्ता में लाने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने नओबेचा (एससी) सीट से राजग उम्मीदवार और असम गण परिषद (अगप) के नेता बसंत दास के साथ मंच साझा किया। इस दौरान उन्होंने एक स्थिर और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए गठबंधन के भीतर एकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। खांडू ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच गहरे रिश्तों का भी जिक्र किया और कहा कि अरुणाचल का विकास असम के लोगों के योगदान से ही जुड़ा हुआ है। उन्होंने दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच मजबूत और अटूट रिश्ते पर जोर देते हुए, असम के लोगों के कल्याण और सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संक्षिप्त खबरें

कथित तौर पर घरेलू विवाद में अधिवक्ता की हत्या

कुशीनगर। जिले के एक गांव में कथित तौर पर घरेलू विवाद में एक अधिवक्ता की लोहे की रॉड से सिर पर वार कर कथित रूप से हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पडरौना कोतवाली क्षेत्र के सवेरा मल छपरा गांव निवासी प्रसिद्ध नारायण दीक्षित (53) का शुक्रवार देर रात करीब आठ बजे घर में ही किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसने बताया कि विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई तभी परिवार के ही एक सदस्य ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें गोरखपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीक्षित, रविन्द्र नगर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में अधिवक्ता थे और बार एसोसिएशन के पांच बार अध्यक्ष रहे थे। अधिवक्ता के छोटे बेटे ने अपने बड़े भाई और भाभी पर पिता की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि देर रात परिजन शव को लेकर जिला मेडिकल कॉलेज, कुशीनगर पहुंचे, जहां पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया है। इस संबंध में पडरौना कोतवाली प्रभारी ओम प्रकाश तिवारी ने बताया कि अब तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।भेज दिया गया है।

शादी के कर्ज से परेशान युवक ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया। जिले के फफूंद थाना क्षेत्र स्थित भौनकपुर गांव में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक की पहचान कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान भौनकपुर गांव निवासी कुलदीप (25) के रूप में हुई है। उसकी शादी 29 अप्रैल 2025 को इटावा के नगला जोर निवासी नीशू से हुई थी। परिजनों का कहना है कि शादी के लिए कुलदीप ने काफी कर्ज ले रखा था, जिससे वह मानसिक तनाव में चल रहा था। शुक्रवार रात कुलदीप ने पत्नी नीशू के साथ खाना खाने के बाद घर की छत पर जाकर प्लास्टिक की रस्सी से पिलर में फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार भोर में गेहूं की कटाई के लिए खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने उसका शव छत पर लटका देखा, जिसके बाद पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि परिजनों से पता चला है कि युवक पर शादी का कर्ज था, जिसके चलते वह तनाव में था। इसी वजह से उसने फांसी लगाकर जान दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच की शुरू कर दी है

मखदुमपुर घाट पर डूबे युवकों में से एक का शव बरामद

मेरठ। हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के मखदुमपुर गंगा घाट पर शुक्रवार को नदी में स्नान करते समय डूबे युवकों में से एक युवक का शव बरामद कर लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, तीन अप्रैल को मखदुमपुर गंगा घाट पर अंतिम संस्कार में शामिल होने आए कुछ लोग गंगा में स्नान करने चले गए थे। इसी दौरान तेज बहाव की चपेट में आकर पांच युवक बह गए थे। मौके पर मौजूद एक युवक ने साहस दिखाते हुए एक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था, जबकि चार अन्य लापता हो गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि शनिवार को तलाश अभियान के दौरान जलालपुर निवासी अभिषेक (23) का शव बरामद कर लिया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि शेष लापता युवकों की तलाश के लिए अभियान जारी है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), स्थानीय गोताखोरों और अन्य एजेंसियों की मदद से गंगा में लगातार तलाश अभियान जारी है।
।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी से किया स्कूल चलो अभियान की शुरुआत

शिक्षा सिर्फ प्रमाणपत्र देने या डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी दौरे के दूसरे व अन्तिम दिन शनिवार को शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय से पूरे प्रदेश में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सिर्फ प्रमाणपत्र देने या डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है। यह मनुष्य को संस्कारित करने, समाज राष्ट्र को गढ़ने का सशक्त माध्यम है और उसके योजक के रूप में ईश्वर ने जो भूमिका हमारे गुरुजनों, शिक्षकों को दी है, अगर वह अपनी महती जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे तो उसके बेहतरीन परिणाम आएंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी गुरुजनों ने मेहनत की है। ऑपरेशन कायाकल्प को नई ऊंचाई तक पहुंचाया, हर स्तर पर प्रयास किया। ऑपरेशन कायाकल्प में एक लाख 36 हजार से अधिक विद्यालय बुनियादी सुविधाओं से युक्त हुए हैं। ऑपरेशन निपुण के माध्यम से सामान्य शिक्षा के बारे में बच्चों के मन मे जिज्ञासा बढ़ी है, उन्हें अक्षर ज्ञान और अंकों का ज्ञान हुआ है। यह तभी संभव हो पाया जब हमारे शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने और हमारे शिक्षकों ने मेहनत की, परिश्रम किया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के दौर को याद कर कहा कि हमारी सरकार ने 01 जुलाई को स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया था। उससे पहले प्रदेश के अलग-अलग जिलों में जाने का अवसर मुझे मिला था। तब बेसिक शिक्षा विभाग के भवन की जर्जर स्थिति और बंदी की कगार पर पहुंच रहे स्कूलों की स्थिति को देखा था। मुख्यमंत्री ने एक स्कूल का खास तौर पर जिक्र कर कहा कि एक स्कूल में गया था, जहां प्रधानाचार्य ने बताया कि अब उनके स्कूल में बच्चों की संख्या लगातार घट रही है। 10 से कम बच्चे रह गए हैं, नए सत्र में शायद ये बच्चे भी न आएं। मैंने प्रधानाचार्य से पूछा कि आखिर ये बच्चे कहां जा रहे हैं, जवाब मिला- बच्चों में पढ़ने की रुचि नहीं है। तब मैंने उनसे कहा था कि बच्चों में पढ़ने की रुचि नहीं या आप में पढ़ाने की रुचि नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ाना ही हमारा काम है। अगर शिक्षक अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे तो परिणाम बेहतर आएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन सरकार के एजेंडे में शिक्षा नहीं थी। गरीब बच्चों के बारे में किसी को कोई चिंता नहीं थी। लोग नकल कराते थे। इसलिए नकल कराते कि उनके स्कूल में पढ़ाई न हो। याद रखिये, सामाजिक और आर्थिक समानता लानी है। सामाजिक न्याय के लक्ष्य को सही मायने में जमीनी धरातल पर उतारना है, तो हमको सबको शिक्षित करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश के सभी स्कूलों में बालक-बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, पेयजल की सुविधा है। ड्रॉप आउट रेट 19 फीसद से घटकर तीन फीसदी पर पहुंच गया है। हमें इसे शून्य फीसदी पर लाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हम स्कूली शिक्षा पर 80 हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च करते हैं। इसका रिजल्ट आना चाहिए, यह पैसा इसलिए दिया जाता है, जिससे परिणाम प्राप्त हो। परिणाम के वाहक शिक्षक व बेसिक शिक्षा के अधिकारी हैं। आपने मेहनत की, सरकार आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने इस बार बजट में कस्तूरबा गांधी विद्यालय के लिए पैसा दिया। श्रमिकों के लिए और निराश्रित बच्चों के लिए कोई जगह नहीं थी, तो श्रमिकों और निराश्रित बच्चों के लिए हम लोगों ने अटल आवासीय विद्यालय प्रारंभ किए। उन्होंने बताया कि छह वर्ष का बच्चा होगा, उसका पहली क्लास में एडमिशन होगा लेकिन तीन से छह वर्ष के बच्चे क्या करेंगे ? उनके लिए प्री-प्राइमरी के रूप में बाल वाटिका हर आंगनबाड़ी केंद्र में बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर आगे बढ़ा है। हमने धनराशि की व्यवस्था की है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के पांच निपुण विद्यालय, पांच निपुण बच्चे व पांच नव प्रवेशी बच्चों को सम्मानित भी किया। इस अभियान को लेकर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों ने 12 स्टॉल भी लगाए थे। जिसका मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क करें और बच्चों का नामांकन कराएं। स्कूल चलो अभियान का पहला चरण 15 अप्रैल तक और दूसरा चरण एक जुलाई से 15 जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, वाराणसी के संयुक्त शिक्षा निदेशक दिनेश सिंह, एडी बेसिक हेमंत राव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव आदि भी मौजूद रहे।

देसी शराब पीने के बाद तीन लोगों की मौत, जांच के लिए चार टीम गठित

मेरठ। जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने शुक्रवार शाम कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया।

उसने बताया कि शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व पेट दर्द की शिकायत होने लगी। पुलिस ने बताया कि तीनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां

चिकित्सकों ने जितेंद्र और अंकित को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाबूराम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर, जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय और जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शराब के जहरीले या उपयोग की अवधि समाप्त होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाउच की पैकेजिंग तिथि 11 फरवरी 2026 पाई गई है और उसी खेप के अन्य पैक भी बेचे गए हैं, जिनसे किसी अन्य स्थान से ऐसी शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखा जा रहा है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य, फॉरेंसिक, सर्विलांस और गोपनीय शाखा की चार टीम गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अधूरे परीक्षा परिणाम पर छात्रों का हंगामा, पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कुलपति कार्यालय घेरा

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को टीडी कॉलेज के बीएससी तृतीय वर्ष के छात्रों ने अधूरे परीक्षा परिणाम के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। करीब डेढ़ सौ छात्रों ने कुलपति कार्यालय के सामने धरना देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और आक्रोश में कार्यालय का दरवाजा तोड़ने का प्रयास भी किया।

प्रदर्शन कर रहे छात्र बीएससी तृतीय वर्ष के पांचवें सेमेस्टर के थे। उनका आरोप था कि हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में गंभीर त्रुटियां हैं, जिससे सैकड़ों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्रों के अनुसार, सत्र 2025-26 के परिणाम में जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित जैसे विषयों में लगभग 350 छात्रों के परिणाम अधूरे या गलत घोषित किए गए हैं।छात्रों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे पहले भी कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन को अवगत करा चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी उपेक्षा से नाराज होकर उन्हें प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कुलपति कार्यालय के दरवाजे को पीटते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया।

उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर और डॉ. प्रवीण सिंह समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे और कुलपति व परीक्षा नियंत्रक से तत्काल मुलाकात की मांग करते रहे। काफी देर तक चले गतिरोध के बाद अधिकारियों ने मामले की जांच कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद देर शाम छात्र शांत हुए और अपना धरना समाप्त कर दिया। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनके परिणामों में सुधार नहीं किया गया, तो वे फिर से उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

तस्कर गिरफ्तार, 22 लाख की हेरोइन बरामद

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में पुलिस व एसओजी की टीम ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 101.76 ग्राम हेरोइन बरामद किया है। बरामद हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख रूपये बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शनिवार को बताया कि बमनौली चौराहे पर बीती रात दो बजे पुलिस टीम द्वारा गश्त एवं संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बभनौली चौराहे के पास एक संदिग्ध मोटर साइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह पुलिस

टीम को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने फौरन उसका पीछा किया और हिन्दुआरी पुल के पास उसे पकड़ लिया। पुलिस टीम द्वारा उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 101.76 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। बरामद हेरोइन की अनुमानित कीमत 22 लाख रूपये है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सूर्य प्रताप सिंह उर्फ सूरज सिंह निवासी रैपुरिया, थाना चुनार, जनपद मीरजापुर के रूप में हुई है। पुछताछ करने पर गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह उक्त अवैध हेरोइन को खरीदकर बिक्री हेतु ले जा रहा था। अभियुक्त के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मोटरसाइकिल बिजली के खंभे से टकराई, दो लोगों की मौत

बरेली। जिले के भमौरा थाना क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल बिजली के खंभे से जा टकराई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (आंवला) नितिन कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान रोहित शर्मा (25) और उनके दोस्त अमित शर्मा (18) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों दोस्त शुक्रवार देर रात मोटरसाइकिल पर सवार होकर देवचरा जाने के इरादे से निकले थे, तभी भमौरा थाना क्षेत्र के रम्पुरा गांव के पास मोटरसाइकिल अंडरपास के अंदर लगे खंभे से टकरा गई।

कुमार ने बताया कि दुर्घटना में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बाद में दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मदरसे के छात्र की पिटाई के आरोप में दो शिक्षक गिरफ्तार

सहारनपुर। जिले में दारुल उलूम जकारिया मदरसा के 10 वर्षीय एक छात्र की पिटाई के आरोप में शनिवार को दो मदरसा शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ जिसमें एक शिक्षक बच्चे के पैर पकड़े और दूसरा शिक्षक उसे डंडे से पीटता दिखता है। इस दौरान बच्चा शिक्षकों से दया की गुहार लगाता दिखा। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में घटना को लेकर रोष व्याप्त हो गया। क्षेत्राधिकारी (गंगोह) अशोक सिसोदिया ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और बच्चे की पिटाई करने वाले दोनों शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया, जिनकी पहचान जुनैद (28) और शोएब (30) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि यह घटना गंगोह कस्बे के 'दारुल उलूम जकारिया' मदरसे में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, खानपुर गुर्जर गांव निवासी कारी साजिद हसन नाम के एक व्यक्ति ने गंगोह थाने में घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। जिस छात्र को पीटा गया वह घटना के बाद मदरसे से भाग गया है। पुलिस 1.49 मिनट के वीडियो की सही तारीख की जांच कर रही है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापा, बिना पंजीकरण चल रहा केंद्र सील

बरेली। बरेली में अवैध रूप से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। डीएम अविनाश सिंह और सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह के निर्देश पर गठित टीम ने शहर और देहात के कई सेंटरों पर छापेमारी कर दस्तावेजों की जांच की। कार्रवाई की भनक लगते ही कई सेंटर संचालकों में हड़कम्प मच गया।

डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद अंसारी के नेतृत्व में टीम सबसे पहले बहेड़ी क्षेत्र पहुंची। यहां हिंद अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच के दौरान गंभीर अनियमितता सामने आई। संचालक टीम को सेंटर का पंजीकरण प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी कागजात नहीं दिखा सके।इस पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सेंटर को मौके पर ही सील कर दिया। स्वास्थ्य विभाग ने सेंटर संचालक को तीन दिन के भीतर सभी जरूरी दस्तावेज पेश करने का नोटिस दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। टीम ने इसके अलावा कुंडरा कोठी स्थित मन्नत अल्ट्रासाउंड सेंटर, जीवन ज्योति अल्ट्रासाउंड सेंटर और रिछा क्षेत्र के हर्ष कला अल्ट्रासाउंड सेंटर का भी निरीक्षण किया। बहेड़ी में ग्लोबल, यूनिक, अरोरा, नियाजी और विद्या अल्ट्रासाउंड सेंटरों की भी जांच की गई।

छापेमारी के दौरान मैक्स अल्ट्रासाउंड और लाइफ लाइन अल्ट्रासाउंड सेंटर बंद मिले। इस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए संचालकों को कारण बताने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएमओ ने कहा कि जिले में बिना पंजीकरण या नियमों के विपरीत चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर को बख्शा नहीं जाएगा। सभी संचालकों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार सेंटर संचालित करने होंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से 3,62,517 शिकायतों का हुआ निस्तारण

लखनऊ। नगरी निकायों में नगरीय सुविधाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए स्थापित डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में वर्ष 2022 से अब तक कुल 3,63,510 शिकायतों के सापेक्ष 3,62,517 शिकायतों का निस्तारण किया गया है। इसके साथ ही लगभग 7000 घंटे का ऐतिहासिक लाइव मॉनिटरिंग कार्य भी संपन्न किया गया है।

डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) के सफल संचालन के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने एक वर्चुअल बैठक की। मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रारंभ में इस केंद्र में हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन बाद में केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित कर 1533 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया।

साथ ही 'संभव' ऑनलाइन पोर्टल भी संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारी ऑनलाइन आमने-सामने होकर समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने 'संभव' पोर्टल को एक अभिनव पहल बताया।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है, लेकिन अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां सुधार की आवश्यकता है। जिन नगरी निकायों की स्वच्छता रैंकिंग नीचे है, उनका विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए।

उन्होंने आगामी वर्षाकाल के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्लांटेशन एवं अन्य स्वच्छता अभियानों को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रेहड़ी-पटरी पर कार्य करने वाले लोगों, गरीबों, सफाई कर्मियों एवं मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उनके आवास, आयुष्मान कार्ड एवं स्वच्छता सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। अपर निदेशक ऋतु सुहास ने बताया कि 'जूम' के माध्यम से दैनिक लाइव मॉनिटरिंग की जाती है तथा राज्यव्यापी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1533 एवं 'संभव' पोर्टल के जरिए जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण किया जाता है।

उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत विभिन्न अभियानों जैसे स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छ महाकुंभ ,क्लीन टॉयलेट अभियान, स्वच्छ तीर्थ, महा सफाई अभियान एवं "प्लास्टिक उन्मूलन अभियान की निगरानी भी डीसीसीसी के माध्यम से की जाती है।

ललितपुर फार्मा पार्क को वैश्विक निर्यात केंद्र बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

कानपुर। उत्तर प्रदेश को दवा निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद और जेएनपीए के अध्यक्ष गौरव दयाल के बीच हुआ।

इसका उद्देश्य उत्तर भारत के औद्योगिक क्षेत्रों को वैश्विक बाजारों से जोड़ना है। अधिकारियों के अनुसार, इस साझेदारी से प्रस्तावित ललितपुर फार्मा पार्क को अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों से सीधे जोड़ा जाएगा, जिससे उसे एक वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। विजय किरण आनंद ने कहा कि ललितपुर फार्मा पार्क मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस योजना का अहम हिस्सा है, जिसके तहत उत्तर प्रदेश को स्वास्थ्य सेवा और दवा निर्माण के क्षेत्र में मजबूत बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से निवेशकों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी और समर्पित माल गलियारों के जरिए दवा उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुंच सकेंगे। समझौते के तहत दादरी-खुर्जा रेल मार्ग को पश्चिमी और पूर्वी समर्पित माल गलियारों से जोड़ा जाएगा। इससे एक आधुनिक बहु-माध्यम परिवहन व्यवस्था बनेगी, जिसके जरिए ललितपुर में बने दवा उत्पादों को सुरक्षित और कम लागत में देश के प्रमुख कंटेनर बंदरगाह तक पहुंचाया जा सकेगा।

रॉयल चैलेंजर्स की निगाह दूसरी जीत पर सीएसके को गेंदबाजी में करना होगा सुधार

बेंगलुरु। अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है।

आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है। आरसीबी के पास विराट कोहली की अगुवाई में शीर्ष क्रम में दमदार बल्लेबाज हैं। कोहली ने अपने बेजोड़ कौशल के दम पर पावर हिटिंग के इस जमाने में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा है। देवदत्त पडिक्कल ने अपने भीतर के असली बल्लेबाज को जगा दिया है जो सनराइजर्स के खिलाफ उनकी 26 गेंद पर खेली गई 61 रन की तूफानी पारी में स्पष्ट नजर आया।

रजत पाटीदार टीम की कप्तानी करने और आरसीबी के मध्य क्रम को मजबूती देने की दोहरी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। आरसीबी में अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। कभी उसकी गेंदबाजी को कमजोर माना जाता था लेकिन उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आरसीबी को जोश हेज़लवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने सहजता से उनकी जगह ली और तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। आरसीबी की टीम इस मैच के लिए अभिनंदन सिंह की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है। क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा टी20 के दिग्गज स्पिनरों में शामिल नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बीच ओवरों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी से आरसीबी का उद्देश्य बखूबी पूरा किया है। उन्हें अब शिवम दुबे, सरफराज खान और आयुष म्हात्रे जैसे बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

जहां तक सीएसके का सवाल है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए। उसके स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ बुरी तरह फ्लॉप रहे।

चेपॉक में ओस का नामोनिशान नहीं होने के बावजूद दोनों ने मिलकर आठ ओवरों में 84 रन लुटाए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी, खलील अहमद और अंशुल कंबोज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। चेन्नई की बल्लेबाजी में भी कुछ कमियां हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है और इसकी शुरुआत सैमसन के फॉर्म से होती है। टी20 विश्व कप में भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सैमसन अभी तक दो मैच में छह और सात रन ही बना पाए हैं। चेन्नई की टीम को अगर मजबूती के साथ आगे बढ़ना है तो सैमसन को जल्द से जल्द अपनी लय हासिल करनी होगी।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।
- चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, एमएस धोनी, मुकेश चौधरी, रामकृष्ण घोष, संजू सैमसन, शिवम दुबे, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, आयुष म्हात्रे, उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, सरफराज खान, अमन खान।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

ग्रीन और मायर का शानदार प्रदर्शन, न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका से वनडे श्रृंखला जीती

वेलिंगटन। मैडी ग्रीन के करियर के तीसरे शतक और तेज गेंदबाज रोजमैरी मायर के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से जीती। ग्रीन ने 128 गेंद पर नाबाद 141 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है।

अपनी पारी में 15 चौके लगाने वाली ग्रीन ने ब्रूक हालीडे (124 गेंद पर 98 रन, 13 चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड 211 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से उबारा। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ग्रीन और हालीडे की पारियों की मदद से वह सात विकेट पर 306 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर आउट हो गई।

उसकी तरफ से कप्तान लॉरा वूलफार्ट (68 गेंदों पर 69 रन) और अनेरी ड्रैकसन (52 गेंदों पर 47 रन) ही कुछ योगदान दे पाई। न्यूजीलैंड की तरफ से मायर ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमिलिया केर ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच दो विकेट से जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे दो विकेट से जीतकर वापसी की थी। न्यूजीलैंड ने इससे पहले इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को यहां पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के एक बयान के अनुसार पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।'' इसमें कहा गया है, ''इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो भी कम हो,का जुर्माना लगाया गया।''

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ यहां होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है।

सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। अपने पहले दो सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने के बावजूद संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। इस बार भी उसका अभियान अच्छा नहीं रहा है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं। टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया। एलएसजी ने मार्श और मार्करम की अपनी स्थापित सलामी जोड़ी से हटकर भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को पारी का आगाज करने के लिए भेज दिया।

पंत रन आउट होने से पहले केवल सात रन ही बना पाए, जिससे उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर बहस फिर से शुरू हो गई। उन्हें अब तीसरे नंबर पर भेजा जा सकता है। पिछले साल उन्होंने इसी नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। पूरन ने भी इस नंबर पर खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वेस्टइंडीज के इस स्टार खिलाड़ी को बीच के ओवरों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है।

मार्श ने पिछले मैच में 35 रन बनाकर एलएसजी को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन अन्य बल्लेबाज खास योगदान नहीं दे पाए। एलएसजी की बल्लेबाजी में तालमेल की कमी नजर आ रही है और इसे देखते हुए उसके लिए मार्श और मार्करम की जोड़ी से पारी की शुरुआत करवाना अच्छा होगा। गेंदबाजी एलएसजी का मजबूत पक्ष है। पिछले मैच में मोहम्मद शमी ने युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के साथ मिलकर नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए पुराने दिनों की याद दिला दी, लेकिन बीच के ओवरों में उसके गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे पिछले सत्र में 14 विकेट लेने वाले मिस्ट्री लेग स्पिनर दिग्वेश राठी को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं। जहां तक सनराइजर्स की बात है तो उसने अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद लय हासिल कर ली है।

केकेआर के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी इकाई ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की फॉर्म में वापसी उसके लिए अच्छे संकेत हैं। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हेनरिक क्लासेन का अनुभव उसके मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कोलकाता में पिछले मैच में अर्धशतक बनाया था।

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया जबकि हर्ष दुबे ने स्पिन गेंदबाजी से नियंत्रण प्रदान किया। जयदेव उनादकट और ईशान मलिंगा की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट साझा किए। इससे यह धारणा गलत साबित हो गई कि सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर है।

टीम इस प्रकार हैंः

- सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, आर. स्मरण, हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, हर्षल पटेल, ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, जीशान अंसारी, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, सलिल अरोड़ा, शिवांग कुमार, ओंकार टारमाले, क्रेन्स फुलेट्रा, प्रफुल्ल हिंगे, अमित कुमार, साकिब हुसैन, जैक एडवर्ड्स और पैट कमिंस।
- लखनऊ सुपर जायंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, आकाश महाराज सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन सचिन तेंदुलकर, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मणिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा।

'गोल्डन बूट वाला खिलाड़ी' गिलबर्टसन संगमा का निधन

गुवाहाटी। 'गोल्डन बूट वाला खिलाड़ी' का विशेषण पाने वाले असम के मशहूर फुटबॉलर गिलबर्टसन संगमा का शनिवार को गुवाहाटी स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। संगमा पिछले कुछ वर्षों से बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार को होने की संभावना है।

फुटबॉल में अपने शानदार कौशल के लिए संगमा को 'गोल्डन बूट वाला खिलाड़ी' कहा जाता था। वह राज्य पुलिस टीम का हिस्सा थे और उन्होंने संतोष ट्रॉफी में कई सत्र तक असम का प्रतिनिधित्व भी किया था। संगमा को 2022 में राज्य के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, 'असम सौरभ' से सम्मानित किया गया था। उन्होंने असम पुलिस टीम को बोरदोलोई ट्रॉफी और स्वतंत्रता दिवस कप सहित कई ट्रॉफियां जीतने में भी मदद की। संगमा को 1970 के दशक के मध्य में इंडोनेशिया और थाईलैंड में खेले गए तीन अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए भारतीय टीम में भी चुना गया था।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, ''हम असम के मशहूर फुटबॉलरों में से एक गिलबर्टसन संगमा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं जिन्हें गोल्डन बूट वाला खिलाड़ी कहा जाता था।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने भी संगमा के निधन पर शोक व्यक्त किया।

भारतीय फार्मा क्षेत्र ने 2025-26 में फरवरी के अंत तक 29 अरब डॉलर का निर्यात किया

हैदराबाद। भारत का दवा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 के फरवरी तक सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय दवा निर्यात संवर्धन परिषद के महानिदेशक के राजा भानु ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस समय लगभग 60 अरब डॉलर मूल्य वाले इस क्षेत्र के 2030 तक बढ़कर 130 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भानु ने कहा, ₹वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, फार्मास्युटिकल्स निर्यात ने अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी है। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल–फरवरी अवधि के दौरान निर्यात 28.29 अरब डॉलर तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5.6 प्रतिशत अधिक है।

होर्मुज व्यवधान के बीच सरकार की घबराहट में खरीदारी न करने की अपील, ईंधन पर्याप्त

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की। सरकार ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से जुड़े व्यवधानों के बावजूद ईंधन की आपूर्ति पर्याप्त है और स्थिति नियंत्रण में है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं।

लोगों को केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने और ऊर्जा की बचत करने की सलाह दी गई है। सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप से मिलने वाली रसोई गैस (पीएनजी) को प्राथमिकता दी है, खासकर घरों, अस्पतालों और आवश्यक सेवाओं के लिए। मांग को संतुलित करने और आपूर्ति बढ़ाने के लिए रिफाइनरियों का उत्पादन बढ़ाया गया है और गैस सिलेंडर भरवाने के बीच का अंतराल भी बढ़ाया गया है। जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सख्ती बढ़ाई गई है। अब तक 3,700 से अधिक छापेमारी की गई है, एलपीजी वितरकों को लगभग 1,000 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें से अब तक 27 डीलरों को निलंबित किया जा चुका है।

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को पहले के स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, जबकि केरोसिन (मिट्टी का तेल) और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है ताकि दबाव कम किया जा सके। प्राकृतिक गैस के मामले में घरों और परिवहन क्षेत्र को पूरी आपूर्ति दी जा रही है, जबकि उद्योग और उर्वरक क्षेत्रों के लिए आपूर्ति धीरे-धीरे बढ़ाई जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और देशभर के पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

बढ़ती वैश्विक कीमतों से राहत देने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है और निर्यात पर शुल्क लगाया है। इसी बीच लगभग आधे दिन की खाना पकाने की गैस की आपूर्ति ले जा रहा एक भारतीय एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर चुका है, जबकि ईरान का एक अन्य जहाज मंगलौर बंदरगाह पर पहुंच गया है। सरकार ने शनिवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर जानकारी देते हुए कहा कि 'ग्रीन सानवी' नामक एलपीजी जहाज 46,650 टन रसोई गैस और 25 नाविकों के साथ सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। ग्रीन सानवी इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को पार करने वाला सातवां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर है। अलग से, बयान में कहा गया कि ईरान से रसोई गैस लेकर आया एक जहाज मंगलौर बंदरगाह पहुंच चुका है और उससे गैस उतारी जा रही है। संभवतः पिछले सात वर्षों में यह ईरान से ऊर्जा की पहली खरीद है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि 'सी बर्ड' नामक एलपीजी जहाज, जो लगभग 44,000 टन ईरानी रसोई गैस लेकर आया है, दो अप्रैल को मंगलौरु बंदरगाह पर पहुंचा और फिलहाल उससे गैस उतारी जा रही है। यह खरीद ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ने हाल ही में ईरान के तेल और उससे जुड़े उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों में अस्थायी छूट दी है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के बीच बढ़ती कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। 'ग्रीन सानवी' के गुजरने के बाद भी 17 भारतीय ध्वज वाले जहाज अभी जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं।

रेलवे, हितधारक मिलकर कश्मीर के माल परिवहन को बढ़ावा देंगे

जम्मू। कश्मीर के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और उसके फल उद्योग व पार्सल व्यापार को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन ने घाटी से रेल द्वारा पार्सल परिवहन बढ़ाने के उद्देश्य से हितधारकों की बैठक आयोजित की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बैठक शुक्रवार को श्रीनगर में हुई और इसका उद्देश्य कश्मीर क्षेत्र से पार्सल यातायात बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट योजना तैयार करना था। अधिकारियों के अनुसार, इस बैठक का उद्देश्य कश्मीर क्षेत्र से पार्सल परिवहन बढ़ाने के लिए सड़क मार्ग के बजाय रेल को भरोसेमंद, समयबद्ध और किफायती विकल्प के रूप में स्थापित करना था। रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (वाणिज्य) की अध्यक्षता में हुई बैठक में जम्मू के वरिष्ठ डिविजनल वाणिज्य प्रबंधक, उचित सिंघल के साथ कश्मीर के पार्सल व्यापारी, प्रमुख फल उत्पादक और मुख्य माल समन्वयक शामिल हुए।

दिल्ली में पीएनजी कनेक्शन का आवेदन करने वाले व्यवसायों को ही मिलेगी वाणिज्यिक एलपीजी

नई दिल्ली। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार दिल्ली सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति के नियमों को कड़ा कर दिया है। इसके तहत उन क्षेत्रों में व्यवसायों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन लेना या उसके लिए आवेदन करना अनिवार्य कर दिया गया है, जहां पीएनजी नेटवर्क उपलब्ध है।

खाद्य, आपूर्ति और उपभोक्ता मामले के विभाग ने दो अप्रैल को जारी आदेश में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों के वितरण पर अपनी हालिया नीति के एक प्रमुख खंड में संशोधन किया है। संशोधित नियमों के तहत, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ता एलपीजी आपूर्ति तभी पा सकेंगे, जब वे संबंधित तेल विपणन कंपनी (ओएमसी) के साथ पंजीकृत हों और उन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन किया हो (जहां नेटवर्क मौजूद है)। आदेश के अनुसार, जिन क्षेत्रों में अभी तक पीएनजी बुनियादी ढांचा तैयार नहीं है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी उपलब्ध होने पर उसे अपनाने के अपने इरादे को व्यक्त करते हुए एक आवेदन जमा करना होगा। अधिकारियों ने कहा कि इन शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए ओएमसी को कम से कम एक बार दस्तावेजों का सत्यापन करना आवश्यक होगा।

पीएनजी में स्थानांतरित होने की इच्छा व्यक्त करने वाले उपभोक्ताओं का रिकॉर्ड आगे की कार्रवाई के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के साथ भी साझा किया जाएगा।

ईरान के साथ भुगतान की कोई समस्या नहीं, कच्चे तेल की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षितः सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है और रिफाइनरियां उस देश के साथ ही दुनिया भर के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से तेल हासिल कर रही हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में उन खबरों को खारिज किया, जिनमें दावा किया गया था कि ईरानी कच्चा तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर अपने पहले से संकेतित गंतव्य भारत के बजाय चीन की ओर मुड़ गया है।

मंत्रालय ने कहा कि ये दावे उद्योग के उस सामान्य अभ्यास की अनदेखी करते हैं, जहां परिचालन लचीलेपन के आधार पर यात्रा के दौरान कार्गो अपना गंतव्य बदल सकते हैं। यदि यह खेप भारत आती, तो लगभग सात वर्षों में ऐसी पहली खेप होती। मंत्रालय ने इन दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया कि भुगतान बाधाओं के कारण कार्गो को गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन की ओर मोड़ा गया था। मंत्रालय ने कहा, "ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई बाधा नहीं है।" मंत्रालय ने स्पष्ट किया, "भारत 40 से अधिक देशों से कच्चे तेल का आयात करता है, और कंपनियों के पास विभिन्न स्रोतों और भौगोलिक क्षेत्रों से तेल प्राप्त करने का पूर्ण लचीलापन है।" मंत्रालय के अनुसार, "पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधाओं के बीच, भारतीय रिफाइनरियों ने ईरान सहित अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं को सुरक्षित कर लिया है, और अफवाहों के विपरीत ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई बाधा नहीं है।"

जहाजों पर नजर रखने वाली फर्म 'केपलर' ने शुक्रवार को कहा था कि 2002 में निर्मित और 2025 में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित टैंकर 'पिंग शुन' अब गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन के डोंगयिंग को अपना गंतव्य बता रहा है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि लगभग 44,000 टन ईरानी एलपीजी लाने वाला एक जहाज सी बर्ड दो अप्रैल को मंगलौर पहुंचा और इस समय माल उतार रहा है।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से बीकानेर का नमकीन निर्यात प्रभावित

जयपुर। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर अब बीकानेर इलाके के निर्यातकों पर भी पड़ने लगा है। व्यापारियों को इस संघर्ष के कारण खाड़ी और यूरोपीय देशों में भुजिया, पापड़ और मसालों जैसा सामान भेजने में भारी रुकावट आ रही है।

बीकानेर अपने नमकीन उत्पादों के लिए विख्यात है और यहां से खाड़ी व यूरोप के देशों में बड़ी मात्रा में नमकीन, मसाले और दूसरे सामान निर्यात होते हैं। हालांकि निर्यातकों ने बताया कि युद्ध की वजह से सामान भेजने में देरी हो रही है। साथ ही माल ढुलाई की लागत बढ़ी है तो कंटेनरों की कमी है। इसका असर निर्यात व आयात दोनों पर दिखने लगा है। भीखाराम ग्रुप से जुड़े नमकीन कारोबारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कच्चे माल और ढुलाई आदि की बढ़ती लागत से उद्योग को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध की वजह से माल भाड़े में भारी बढ़ोतरी हुई है और कच्चे माल की कीमतें भी बढ़ रही हैं।' उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में खाद्य तेल की कीमत में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है।

निर्यातकों के अनुसार कंटेनरों का आवागम काफी धीमा हुआ है। जो खेप पहले लगभग 30 दिन में पहुंच जाती थी उसमें अब 60 दिन तक का समय लग रहा है क्योंकि युद्ध के चलते उसे लंबे और सुरक्षित रास्तों से भेजा जा रहा है।

'रामायण' में रणबीर कपूर का डबल रोल, राम के साथ परशुराम के किरदार में भी आएंगे नजर

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी टीजर के बाद अब रणबीर कपूर ने बड़ा खुलासा करते हुए पुष्टि की है कि वह फिल्म में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। अभिनेता न केवल भगवान राम की भूमिका में दिखेंगे, बल्कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का किरदार भी निभाएंगे। रणबीर कपूर ने इस दोहरी भूमिका को अपने करियर का एक शानदार अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि परशुराम और राम, दोनों ही आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से गहरे किरदार हैं, जिन्हें समझना एक अभिनेता के लिए चुनौतीपूर्ण है। रणबीर के मुताबिक, इन किरदारों की मूल भावना, उनके सिद्धांत और उद्देश्य को समझना अभिनय की सबसे अहम प्रक्रिया रही। टीजर में भी इस डबल रोल की झलक देखने को मिली थी, जहां भगवान राम के रूप में रणबीर को एक सुनहरे फरसे को पकड़ते हुए दिखाया गया, जो परशुराम का प्रतीक माना जाता है। हालांकि उस समय चेहरा स्पष्ट नहीं किया गया था, लेकिन अब अभिनेता ने इन अटकलों पर मुहर लगा दी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश रावण, साई पल्लवी सीता और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म दिवाली 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी

रश्मिका मंदाना

मुंबई। जानीमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जापान के टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर छाने वाली हैं।रश्मिका मंदाना इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर भारत को प्रस्तुत करने वाली हैं। वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। उल्लेखनीय है कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है।

महाकाल की भक्ति में लीन हुई

कावेरी प्रियम

बोलीं- यहां की ऊर्जा को शब्दों में बयां करना मुश्किल

उज्जैन। टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री कावेरी प्रियम मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और काफी देर तक हाथ जोड़कर बाबा के भक्ति रस में डूबी नजर आईं। नंदी महाराज के पास मौजूद अभिनेत्री बाबा महाकाल को निहारती नजर आईं। अभिनेत्री ने बताया कि वह पिछले तीन सालों से लगातार महाकाल दर्शन के लिए आ रही हैं। उन्होंने कहा, “पिछले तीन सालों से मैं यहां आ रही हूं। यहां की ऊर्जा को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। भस्म आरती के समय जो शक्ति और ऊर्जा मिलती है, वह अलौकिक होती है। उसे महसूस करके ही समझा जा सकता है। यहां आकर मन को बहुत शांति मिलती है।” अभिनेत्री ने मंदिर की व्यवस्था की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, “महादेव की कृपा से हर बार मेरे दर्शन बहुत शांतिपूर्ण और सुखद होते हैं। यहां का प्रशासन और स्टाफ बहुत अच्छे से काम करता है। हर चीज सही तरीके से व्यवस्थित है।” अभिनेत्री कावेरी प्रियम टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं। वे महाकाल के दर्शन के लिए हर साल आती रहती हैं। अभिनेत्री ने मंदिर प्रबंधन और वहां काम करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यहां की अच्छी व्यवस्था की वजह से हर भक्त को आसानी से दर्शन करने का मौका मिलता है। अभिनेत्री ने ‘नागिन 2’, ‘परदेस में है मेरा दिल’ और ‘सावधान इंडिया’ जैसे शो में छोटी भूमिकाओं के साथ शुरुआत की, लेकिन उन्हें लोकप्रिय धारावाहिक ‘ये रिश्ते हैं प्यार के’ में कुहू माहेश्वरी और ‘जिद्दी दिल माने ना’ में डॉ. मोनामी महाजन जैसे प्रमुख किरदारों ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कावेरी प्रियम इस समय ‘दूरियां’ धारावाहिक में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें वे सोनिया का किरदार निभा रही हैं। इससे पहले, वे ‘दिल दियां गल्लां’ और ‘जिद्दी दिल माने ना’ जैसे शो का हिस्सा रही थी।